वर्ष-3, अंक-315
इन्दौर रविवार
10 मई 2026
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761,

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

चाणक्य नीति

जिसने अपने मन पर विजय प्राप्त कर लिया, वो किसी भी हार से उबरकर फिर से उठ सकता है।

सुवेंदु बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री

दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निषिथ प्रमाणिक और अशोक मंत्री बने

कोलकाता (एजेंसी)। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद सुवेंदु, पीएम के पास गए और उनके पैर छुए।

बंगाल के गवर्नर आरएन रवि ने सुवेंदु के अलावा 5 और विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, खुदीराम टुडू और निषिथ प्रमाणिक का नाम शामिल है। इस दौरान PM मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, NDA और BJP शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री मौजूद रहे। मोदी ने मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी 165वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पीएम ने मंच पर भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार का सम्मान किया। मंच पर आते ही प्रधानमंत्री सीधे सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और फिर उनके पैर छुए। इसके बाद सरकार ने देर तक प्रधानमंत्री को गले लगाए रखा।

सुवेंदु बेहद आध्यात्मिक, घरवाले डरते थे बेटा संन्यासी न बन जाए

1970 में पूर्व मेदिनीपुर के कोंतली गांव में जन्मे सुवेंदु का बचपन से ही आस्था की ओर झुकाव है। हर शनिवार रामकृष्ण मिशन जाना उनका तय रूटीन था। वे बचपन में इतने धार्मिक थे कि घरवालों को डर लगने लगा था कहीं बेटा संन्यासी न बन जाए। घर में जमा सिक्के भी चुपचाप मिशन में दान कर आते थे। परिवार को लगता था, कभी भी घर छोड़ सकते हैं।

होर्मुज में गोलीबारी का शिकार हुआ भारतीय जहाज, गुजरात के नाविक की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज में एक और भारतीय जहाज गोलीबारी का शिकार हुआ है। नाविकों के एक संगठन के प्रतिनिधि के अनुसार, बीते शुक्रवार को यह घटना हुई, जब होर्मुज स्ट्रेट में दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में फंस जाने से गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

शिपिंग निदेशालय के अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि तो की, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। उन्होंने बताया कि वे इस मामले में सहायता प्रदान कर रहे हैं। यह लकड़ी से बना जहाज था, जिसकी पहचान अल फैज नूर-ए-सुलेमानी 1 नाम से हुई है। इस

जहाज में 18 लोगों का क्रू सवार था। यह 7 मई को दुबई से निकला था और यमन के मुक्कम की ओर जा रहा था, तभी 8 मई को रात करीब एक बजे, होर्मुज स्ट्रेट पार करते समय यह गोलीबारी की चपेट में आ गया। बता दें कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद से ही होर्मुज टकराव का केंद्र बना हुआ है। ईरान ने लंबे समय से बिना इजाजत किसी भी जहाज को निकलने देने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। इसकी वजह से कच्चे तेल के दामों में भी बढ़ोतरी हो रही है। अधिकारियों को लिखे एक लेटर में इंडियन सेलिंग वेसल्स एसोसिएशन (गुजरात) के महासचिव, आदम भाया ने इस घटना को अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण और हिंसक झड़प बताया।

लंबी दूरी की नई तोप प्रणालियां तैनात करेंगे किम

प्योगयांग। कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। उत्तर कोरिया ने संकेत दिया है कि वह इस साल अपनी सैन्य ताकत को और बढ़ाने जा रहा है। उत्तर कोरिया ने घोषणा की कि वह लंबी दूरी की नई तोप प्रणालियां तैनात करेगा, जो सीधे दक्षिण कोरिया की राजधानी को निशाना बना सकती है। इसके साथ ही उसने आने वाले हफ्तों में अपना पहला नेवी डिस्ट्रॉयर जहाज सेवा में शामिल करने की भी बात कही है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आई है जब 6 मई को दक्षिण कोरिया ने दावा किया था कि उत्तर कोरिया ने अपने संविधान से कोरियाई एकीकरण से जुड़े सभी संदर्भ हटा दिए हैं। इस कदम को उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की उस रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें वह दक्षिण कोरिया के साथ संबंध खत्म कर दो अलग-अलग राष्ट्रों की व्यवस्था को मजबूत करना चाहते हैं। पहले दोनों देश यह मानते थे कि वह एक हैं, बस दो अलग-अलग हिस्से हैं, लेकिन किम अपने कदम से कहना चाहते हैं कि तुम हमारी जमीन न छुओ हम तुम्हारी जमीन नहीं छुएंगे और हम आपस में दुश्मन हैं।

ईरान के तेल हब पर रिसाव, युद्ध और ऊर्जा संकट के बीच बढ़ी चिंता

तेहरान। ईरान के सबसे बड़े तेल हब, खर्ग आइलैंड के पास समुद्र में एक बड़ा तेल रिसाव देखने को मिला है। इस डराने वाली घटना ने मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध और वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। सैटेलाइट तस्वीरों में सामने आए इस विशाल रिसाव ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या यह कोई हादसा है या मौजूदा क्षेत्रीय संघर्ष का एक अप्रत्याशित परिणाम। यूरोप के एक सैटेलाइट सिस्टम से 6 से 8 मई के बीच ली गई तस्वीरों में खर्ग आइलैंड के पश्चिमी हिस्से में समुद्र पर तेल का एक बड़ा धब्बा साफ दिखाई दिया। समुद्र में तेल का रिसाव पर्यावरण के लिए बेहद खतरनाक होता है।

मोहब्बत की निशानी ताजमहल के शाही दरवाजे के दरकने लगे पत्थर

आगरा। दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारतों में शामिल ताजमहल करीब 373 साल पुराना हो चुका है। इस स्मारक के शाही दरवाजे के पत्थर अब दरकने लगे हैं। दरवाजे की दीवारों में कई जगह दरारें आ गई हैं। कुछ पत्थर अपनी जगह से खिसक गए हैं। शाही गेट अब आंधी और बारिश भी नहीं झेल पा रहा। पिछले महीने आंधी-बारिश में दो बार गेट के पत्थर टूटकर गिर चुके हैं। इससे पहले भी ताजमहल परिसर के कई हिस्सों में पत्थर और जालियां टूट चुकी हैं। मुख्य मकबरे के पीछे यमुना नदी की तरफ लगी जालीदार रेलिंग भी तेज बारिश और आंधी नहीं झेल पाई। साल 2020 में यह रेलिंग गिर गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 7 अप्रैल 2026 को आगरा में तेज आंधी और बारिश हुई। इस दौरान ताजमहल के शाही दरवाजे के सफेद और लाल पत्थर निकलकर गिर गए। गनीमत रही कि कोई पर्यटक इसकी चपेट में नहीं आया।

रेसलर विनेश पर 26 जून तक बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) ने ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट पर 26 जून तक डोमेस्टिक कॉम्पिटिशन खेलने पर बैन लगा दिया है। WFI ने शनिवार को फोगाट को अनुशासनहीनता और एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया। WFI ने शनिवार को जारी 15 पन्नों के नोटिस में लिखा कि विनेश ने संन्यास से वापसी के लिए छह महीने पहले सूचना नहीं दी। इससे WFI संविधान, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) नियमों तथा एंटी-डोपिंग प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। WFI ने कहा- उनके व्यवहार से भारतीय कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा और राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी हुई। साथ ही विनेश से चार प्रमुख आरोपों पर जवाब मांगा और पूछा कि कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। अगस्त 2024 में हुए पेरिस ओलिंपिक में ओवर वेट पाए जाने पर विनेश फोगाट को डिसक्वालीफाई किया गया था। तब उन्होंने कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान किया था। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना फैसला वापस ले लिया।

रूस-यूक्रेन युद्ध में तीन दिवसीय युद्धविराम की घोषणा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच तीन दिवसीय युद्धविराम की घोषणा की है। उन्होंने इसे लंबे समय से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। यह युद्धविराम 11 मई तक लागू रहेगा। ट्रंप ने एक बयान में कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में 9, 10 और 11 मई को तीन दिन का युद्धविराम रहेगा।

बिजली-पेड़ गिरने से 9 की मौत

उत्तर प्रदेश सहित 6 राज्यों में आंधी-बारिश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान में शुक्रवार को बारिश के साथ ओले गिरे। वहीं मध्य भारत में फिर से तेज गर्मी पड़ने लगी है। बिहार के पटना समेत 7 जिलों में शुक्रवार को तेज आंधी के साथ बारिश हुई। पेड़ और बिजली गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 5 मौत राजधानी पटना में हुईं। आंधी में 600 से ज्यादा पेड़ भी गिर गए। उत्तर प्रदेश के आगरा और जालौन में बारिश हुई। मऊ में ओले भी गिरे। शनिवार को 17 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है। राजस्थान का बाड़मेर देश में सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 44.6°C दर्ज किया गया। वहीं जैसलमेर और फलोदी में तापमान 44°C रहा।

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट

भाजपा मुख्यालय और सरकारी इमारतों की सुरक्षा बढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में संभावित आतंकी हमले को लेकर इंटेलिजेंस एजेंसियों ने हाई अलर्ट जारी किया है। अलर्ट के बाद भाजपा मुख्यालय और आसपास स्थित सरकारी इमारतों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि आतंकवादी आत्मघाती हमला, कार ब्लास्ट, गोलीबारी या आईईडी विस्फोट जैसी वारदात को अंजाम देने की कोशिश कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय और आसपास के महत्वपूर्ण सरकारी परिसरों को संभावित निशाना माना जा रहा है। इसके मद्देनजर दिल्ली पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और अन्य सुरक्षा बलों ने इलाके में निगरानी बढ़ा दी है।

सुरक्षा व्यवस्था की गई मजबूत

खतरे की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल और अर्धसैनिक जवानों की तैनाती की गई है। प्रमुख इमारतों और संवेदनशील स्थानों के आसपास बैरिकेडिंग बढ़ा दी गई है तथा आने-जाने वाले वाहनों की रैंडम चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने सीसीटीवी निगरानी को भी और मजबूत किया है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। अधिकारियों को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, लावारिस सामान या लंबे समय तक खड़े वाहनों की तुरंत जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

बम निरोधक दस्ते और स्निफर डॉग हाई अलर्ट पर

संभावित खतरे को देखते हुए बम निरोधक दस्तों, स्निफर डॉग यूनिट्स और क्विक रिएक्शन टीमों (क्यूआरटी) को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दिल्ली फायर सर्विस को भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कहा गया है।

सूत्रों के अनुसार, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ काम कर रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके। संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है और कई स्थानों पर सुरक्षा जांच को पहले से अधिक सख्त कर दिया गया है।

लोगों से सतर्क रहने की अपील

सुरक्षा एजेंसियों ने नागरिकों से भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि राजधानी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मप्र सरकार को मंत्री विजय शाह पर...कार्रवाई का निर्देश

भोपाल। अब बहुत हो चुका, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की जब उसने मध्य प्रदेश सरकार से कहा कि वह अपने जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों पर कार्रवाई करने के लिए अनुमति देने का निर्णय ले। यह टिप्पणियां आपरेशन सिंदूर के बाद की गई थीं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्य बागची की पीठ ने शाह के आपत्तिजनक बयान को सबसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया, जब राज्य की ओर से पेश हुए सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मंत्री ने दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणियां कीं और जल्दी ही माफी मांगी। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा, जो उन्होंने कहा, वह निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण था और उनके पास पछतावे की भी कोई भावना नहीं है। पीठ ने शाह और राज्य की ओर से आगे की दलीलें सुनने से इन्कार कर दिया और चार सप्ताह के भीतर अपने 19 जनवरी के निर्देश का पालन करने के लिए कहा, जिसमें मप्र सरकार को अनुमति देने के संबंध में उचित निर्णय लेने के लिए कहा गया था।

आगे यह संभावना

पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता अजय मिश्रा का कहना है कि अभियोजन की स्वीकृति देने या न देने के संबंध में निर्णय राज्य सरकार को लेना है।

विजय के सरकार बनाने पर अब भी पेंच

तमिलनाडु से MLA गायब, समर्थन का फर्जी लेटर

तमिलनाडु (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति इस समय एक बेहद रोमांचक और अनिश्चितता की दौर से गुजर रही है। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (TVK) सत्ता की दहलीज पर तो खड़ी है, लेकिन बहुमत के जादुई आंकड़े से दूर है।

विपक्षी दलों के दांव-पेंच ने भी सरकार गठन की राह को कांटों भरा बना दिया है। एक ओर जहां राज्यपाल ने टीवीके के बहुमत के दावे को फिलहाल हरी झंडी नहीं दी है, वहीं दूसरी ओर एएमएमके (AMMK) और टीवीके के बीच समर्थन की फर्जी पत्र को लेकर कानूनी और सियासी जंग शुरू हो गई है। तमिलनाडु विधानसभा में सरकार बनाने के लिए 118 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता है। विजय की पार्टी टीवीके के पास वर्तमान में 107 विधायक हैं। विजय ने खुद दो सीटों से चुनाव जीता है, जिससे प्रभावी संख्या 108 से घटकर 107 रह गई है। बहुमत के लिए टीवीके को 11 विधायकों के अतिरिक्त समर्थन की जरूरत है। कांग्रेस के 5 विधायकों और वामपंथी दलों (CPI और CPI-M) के 4 विधायकों ने टीवीके को बिना शर्त बाहरी समर्थन देने का ऐलान किया है। इसके बाद विजय भी का आंकड़ा 116 तक ही पहुंच गया। हालांकि, बहुमत का आंकड़ा अब 117 माना जा रहा है।

राज्यपाल पर निगाहें

तमिलनाडु के राज्यपाल ने अब तक तीन बार विजय से मुलाकात की है, लेकिन हर बार उन्होंने बहुमत का ठोस प्रमाण न होने के कारण सरकार बनाने का न्योता देने से इनकार कर दिया। राज्यपाल का स्पष्ट मानना है कि जब तक टीवीके सदन के पटल पर या हस्ताक्षरित पत्रों के जरिए बहुमत साबित नहीं करती, तब तक उन्हें आमंत्रित नहीं किया जा सकता।

पटना में तेज आंधी बारिश से 9 की मौत

जाम में फंसे तेजस्वी यादव, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष की कार पर गिरा पेड़

नई दिल्ली, (ईएमएस)। बिहार में पिछले 10 दिनों से तेज आंधी और बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को पटना में 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी और भारी बारिश ने तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा में पेड़ गिरने और ठनका गिरने से राज्यभर में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें सबसे अधिक 4 मौतें पटना में हुईं। 30 मिनट की बारिश और तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। पटना में 200 से ज्यादा जबकि जिलेभर में 600 से ज्यादा पेड़ गिर गए। तेज आंधी के कारण 50 से ज्यादा वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। सड़कों पर पेड़ और होर्डिंग गिरने से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। हालात ऐसे थे कि दो किलोमीटर की दूरी तय करने में लोगों को डेढ़ घंटे का समय लगा। देर रात तक शहर के कई इलाकों में जाम की स्थिति बनी रही। जाम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी फंस गए, जिसके बाद उन्हें कार छोड़कर बाइक से जाना पड़ा। मौसम विभाग ने शनिवार को पटना समेत 20 जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक 11 मई तक राज्य में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। इसके बाद मौसम सामान्य होने की संभावना है। चिड़ियाघर में आंधी-पानी के दौरान 30 से अधिक पेड़ गिरे हैं। इस वजह से शनिवार को पटना जू में विजिटर्स के लिए बंद किया गया है। 52 साल में पहली बार आंधी-बारिश के बाद पटना जू बंद कर दिया गया है। रविवार से विजिटर्स सैर कर सकेंगे। उधर बापू टावर को तीन दिनों के लिए आम दर्शकों के लिए बंद कर दिया गया है।

जनभावना

संपादकीय

वरदान, सत्ता और लोकतंत्र : पौराणिक इतिहास इस कलयुग में ?

भारतीय पौराणिक कथाओं में भस्मासुर की कथा केवल शक्ति के मद की कथा है, जिसमें व्यक्ति विवेक को खो देता है। सत्ता, अहंकार और विवेक के संतुलन का गहरा संदेश भस्मासुर की कथा है। कथा के अनुसार भगवान शिव ने तपस्या से प्रसन्न होकर भस्मासुर को वरदान दिया। वह जिसके सिर पर हाथ रखेगा, वह भस्म हो जाएगा। वरदान से शक्ति प्राप्त करते ही भस्मासुर वरदान की शक्ति के मद में इतना अंधा हो गया, उसने अपने ही आराध्य देव शिव पर ही हाथ रखने का प्रयास किया। अंततः भगवान शिव को अपने ही दिये गए वरदान के कारण भागना पड़ा। उन्हें बचाने के लिए भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर भस्मासुर को स्वयं के विनाश की ओर प्रेरित किया। यह कथा आज के लोकतांत्रिक भारत के संदर्भ में भी एक महत्वपूर्ण प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी है। जहां जनता अपने आपको ठगा महसूस कर रही है। लोकतंत्र में जनता ही वास्तविक शक्ति का स्रोत है। जनता अपने मत के माध्यम से किसी सरकार को सत्ता का 'वरदान' देती है। 2014 के बाद भारत में स्थापित वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था, जनता की व्यापक आशाओं, बदलाव की इच्छा और विकास के वादों के आधार पर जनता के वरदान से सत्ता में आई। प्रारंभिक वर्षों में भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्ती, मजबूत नेतृत्व और आर्थिक सुधारों के दावों ने लोगों में सरकार के प्रति नया विश्वास पैदा किया। समय बीतने के साथ समाज के एक बड़े वर्ग में यह भावना विकसित हुई है। सत्ता पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। जनता के बीच में सरकार की दूरी बढ़ती जा रही है। आज देश में बढ़ती महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ रही है। बेरोजगारी युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतें महंगी होती जा रही हैं, आम जनता कर्ज के बोझ से दबती जा रही है। जबकि दूसरी ओर बड़े उद्योगपतियों और पूंजीपतियों को मिलने वाली सुविधाएं बढ़ती चली जा रही है। यह धारणा मजबूत हुई है कि आर्थिक नीतियों का लाभ समाज के ऊपरी वर्ग तक अधिक सीमित हो रहा है, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग 2 वक्त के भोजन के लिये संघर्षरत है। गरीबों पर टेक्स बढ़ता जा रहा है। अमीरों के टेक्स घटाये जा रहे हैं। गरीबों के लिये अलगनियम और कानून है। अमीरों के लिये अलग कानून है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत समानता और समान न्याय का सिद्धांत है। जब समाज में यह भावना जन्म लेने लगे, गरीबों और अमीरों के लिए कानून और न्याय की व्यवस्था अलग-अलग तरीके से काम कर रही है, तब लोकतंत्र कमजोर होने लगता है। सत्ता यदि गरीबों की नहीं सुनती है, बल्कि जनता को भार समझने लगे, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर प्रश्न उठने लगे। आम नागरिक स्वयं को असहाय महसूस करने लगे, तो यह स्थिति चिंताजनक हो जाती है। वर्तमान स्थिति में भस्मासुर की कथा एक ज्ञान के रूप में सामने आती है। जनता द्वारा दी गई शक्ति से बनी सरकार यदि जनता के हितों से दूर जाकर, निजी स्वार्थ और सत्ता संरक्षण, प्रचार और चुनिंदा लोगों के हित में केंद्रित हो जाए, तो वही शक्ति अंततः विश्वास को कमजोर कर सकती है, जो अंत का कारण बनता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में ही होता है। चुनाव, जनमत और लोकतांत्रिक संस्थाएं वही 'मोहिनी' हैं, जो सत्ता में बैठे लोगों में अहंकार और असीमित सत्ता के मद में झोंककर भस्मासुर की तरह उनका अंत करने का कारण बनती है। भारत का लोकतंत्र केवल सरकारों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों से मजबूत होता है। आवश्यक है, जनता सरकार से प्रश्न पूछे, सरकार को उसके कर्तव्य के प्रति जवाबदेह बनाये। सत्ता में बैठे लोग यह याद रखें कि लोकतंत्र में जनता द्वारा दिया गया हर 'वरदान' स्थायी नहीं होता। जनता जब चाहती है, वही शक्ति परिवर्तन का माध्यम भी बन जाती है। जनता का स्वरुप भीड़ में है। भीड़ में ज्ञान नहीं होता है। भीड़ समूह की शक्ति है, जिसकी ताकत असीमित होती है। कोई भी सेना, सरकार, पुलिस, न्यायपालिका इस भीड़ का मुकाबला नहीं कर सकती है। आम जनता की इस ताकत को सरकार और कार्यपालिका में बैठे लोग समझें। सत्ता के मद में मदहोश सत्ताधीशों ने इस वास्तविकता को नहीं समझा, तो भस्मासुर की तरह वह स्वयं का अंत कर बैठेंगे।

- सनत जैन

कहानी

अनकहा अध्याय-पिता

सुनील कुमार महला

रात काफी गहरी हो चली थी।घड़ी की सुइयां साढ़े दस बजा रहीं थीं और अब शहर की सड़कों पर धीरे-धीरे सन्नाटा उतरने लगा था। फैक्टरी की मशीनों की तेज आवाज के बीच आदित्य अपनी दूसरी शिफ्ट पूरी कर रहे थे। पसीने से भीगा उनका चेहरा थकान से भरा था, मैले-कुचैले से कपड़े, लेकिन आंखों में एक अजीब-सी चमक थी-अपने बेटे साहिल के भविष्य की चमक।तभी उनके बटन वाले छोटे से पुराने मोबाइल की घंटी बजी। उन्होंने मशीन बंद कर जेब से मोबाइल निकाला।हैलो पापा ! उधर से साहिल की आवाज आई।हाँ बेटा, बोलो। नमस्ते पापा, वो मैंने आपको इसलिए फोन किया कि मैं अपने लिए ढाई हजार के जूते और दो जींस की पैंट तथा तीन शर्ट ऑर्डर कर रहा हूँ। पापा ! मैं जिस कोचिंग में जाता हूं वहां सभी बच्चे रोज नए-नए कपड़े पहनकर आते हैं। मुझे पुराने जूतों और कपड़ों में असहजता महसूस होती है।कुछ पल के लिए आदित्य चुप हो गए। उनकी नजर अपने फटे तथा घिसे हुए जूतों पर गई, जिनकी सिलाई कई जगह से उधड़ चुकी थी। शर्ट का कॉलर भी घिस चुका था। पिछले तीन सालों से वही जूते और वही पुराने कपड़े वह पहन रहे थे।लेकिन अगले ही पल उन्होंने मुस्कराकर कहा-कोई बात नहीं बेटा, तुम कल ऑर्डर कर दो। सात-आठ हजार रुपए की ही तो बात है। मैं कहीं से अरेंज कर दूँगा। बस तुम अच्छी तरह पढ़ना। तुम्हारी खुशी से बढ़कर मेरे लिए कुछ भी नहीं है बेटा !थैंक यू पापा! कहकर साहिल ने फोन रख दिया। आदित्य ने गहरी सांस ली। उन्होंने खाना भी अभी तक नहीं खाया था और उनकी जेब में केवल बारह सौ रुपए थे। महीने का किराया बाकी था, दूध के पैसे भी दूध वाले को चुकाने थे और घर में राशन भी कम था, लेकिन बेटे की खुशी के आगे उन्हें अपनी हर परेशानी छोटी लगती थी। फैक्टरी से लौटते समय देर रात तक खुली उन्होंने चाय की एक थड़ी पर बैठकर घर से कपड़े में बांध कर लाई दो सूखी रोटियां और चाय से पेट भरा। साथी मजदूर सुरेश ने उनसे पूछा-आदित्य, कब तक अपने पेट के गांठ लगाते रहोगे ? तुम दिन-रात जी-तोड़ मेहनत करते हो। बच्चों की सभी इच्छाओं की पूर्ति के लिए कब तक आखिर खुद को यूँ तकलीफ देते रहोगे? कभी तो थोड़ा-बहुत अपने लिए भी सोच लिया करो। आदित्य के सूखे लबों पर हल्की-सी मुस्कराहट थी-हम जैसे बाप अपने लिए कहाँ जीते हैं सुरेश... हमारी खुशी तो बच्चों के सपनों में निहित होती है। और हमारा क्या है, हमें तो कम में जीने की आदत पड़ चुकी है। घर पहुँचते-पहुँचते रात के बारह बज चुके थे। उनकी पत्नी ज्योत्स्ना दरवाजे पर उनक बड़ी देर से इंतजार कर रही थी। आज बहुत देर लगा दी। इतनी देर कहां हुई। खाना लगा दूँ आपके लिए, भूख लगी होगी। नहीं, घर से जो रोटियां बांधकर दीं थीं, खा लिया बाहर।ज्योत्स्ना समझ गई कि उन्होंने फिर झूठ बोला है। वह जानती थी कि आदित्य अक्सर पैसे बचाने के लिए भूखे ही रह जाते हैं। यहां तक कि चाय भी बहुत बार नहीं पीते हैं। अगले दिन आदित्य ने फैक्टरी मालिक से एडवांस मांगा, लेकिन मालिक ने साफ मना कर दिया और कहा-आदित्य अभी तो महीना पूरा भी नहीं हुआ, और तुम्हें काम से पहले ही दाम चाहिए। निराश होकर वे बाहर निकले। तभी उनकी नजर अपनी पुरानी स्कूटी पर पड़ी। वही स्कूटी जिससे वे वर्षों से फैक्टरी जाते थे। ....

(साभार)

धन्यवाद, पश्चिम बंगाल, धन्यवाद

सीए अखिलेश जैन

धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद ..... न केवल धन्यवाद, बारम्बार धन्यवाद, हार्दिक बधाइयाँ आपके दूरदृष्टिपूर्ण, साहसिक सुविचारित व स्पष्ट जनादेश के लिए, एक बार फिर से बधाई व धन्यवाद, वास्तव में पश्चिम बंगाल की माताओं, बहनों, बेटियों, मतदाताओं, कार्यकर्ताओं, चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने में जी-जान से जुटे शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों, चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों, न्याय का झण्डा बुलन्द कर लोकतंत्र को जड़ों को मजबूती प्रदान करने वाले ज्ञात/अज्ञात सभी महानुभावों, विशिष्ट जनों, दैवीय शक्तियों के साथ-साथ भारत के संविधान निर्माताओं को जिन्होंने सत्ता को असली चाबी मतदाताओं को सोंपी है। विवेकपूर्ण, साहसिक व दूरदृष्टिपूर्ण निर्णय कि जितनी भी प्रशंसा की जावे वो छोटी ही प्रतीत होती है। जब सत्ता की असली बागड़ोर संविधान निर्माताओं ने मतदाताओं को सौंपी है, तो जिस प्रकार हर अंधेरी रात की समय-सीमा समाप्ति के साथ-साथ सूर्योदय निश्चित है उसी प्रकार निरंकुश, अत्याचारी, भ्रष्टाचारी, दुराचारी, सनातन विरोधी, माताओं-बहनों -बेटियों, जो साक्षात् देवी रूप हैं, को सुरक्षा प्रदान करने में अक्षम, लोकतंत्र का उपहास उड़ाने वाली, देश की आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक प्रगति में बाधक सत्ता का अन्त होना भी सुनिश्चित ही था।

चुनाव प्रारम्भ होने की बेला से चुनाव आयोग की चुनाव सम्पन्न होने की अधिसूचना जारी होने तक का मतदाताओं, कार्यकर्ताओं का समीप से अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हुआ, मतदाताओं, कार्यकर्ताओं की मानसिक स्थिति को पढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ। मतदाताओं, कार्यकर्ताओं से संवाद में चुनाव परिणामों की तस्वीर स्पष्ट परिलक्षित हो रही थी, ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे मतदान की तिथि तक का समय एक कल्प की तरह लम्बा लग रहा है। इतनी बेसब्री मतदान के लिए, 90% से अधिक का मतदान, ऐसा प्रतीत हो रहा है, जैसे मतदाताओं में मतदान की होड़ लग गई हो, देश-विदेश में बैठे पश्चिम बंगाल के मतदाता लाईन लगाकर, बेखौफ, मतदान के लिए जोश, जुनुन के साथ लाईन में लग गये, 40 डिग्री सेंटीग्रेट का तापमान पर महिलाओं ने शत-प्रतिशत मतदान का निर्णय कर लिया। चाहे शहर हो, देहात हो, छोटा सा गांव, कस्बा, सूदूर जंगल में छोटी सी बस्ती हो, हर जगह शत-प्रतिशत मतदान की होड़ लगी थी, अगर आप इस मतदान के जोश की भावनाओं को समझ सकें तो चुनाव परिणाम मतदान की लाईन देखने मात्र से ही स्पष्ट था। मतदाताओं में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के प्रति विद्रोह, आक्रोश की ज्वाला धधक रही थी, जो उन्होंने मतदान शत-प्रतिशत करने को ठान कर अपने अन्तर्मन की ज्वाला को शान्त करने का मार्ग बनाया। ऐसा क्यों। सत्तारूढ़ दल के प्रति इतना आक्रोश क्यो। 2-3 विधायकों वाली पार्टी 77 विधायकों तक पहुंचती है, फिर सीधे 207 विधायकों पर पहुँचती है। ऐसी स्वीकार्यता में बढ़ोत्तरी क्यो। राजनैतिक विश्लेशकों का उत्तर भी बहुत स्पष्ट है व बहुत आसान है -कि SIR के कारण 90 लाख से अधिक घुसपैठिये मतदान प्रक्रिया से बाहर हो गये, सनातन का विरोध कर ध्रुवीकरण करने के प्रयासों से आम मतदाता चिढ़ गया था। आतंक, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, गुण्डागर्दी, महिलाओं के प्रति अपराधों का बड़ता ग्राफ, बेरोजगारी, तुष्टीकरण व भविष्य अंधकारमय देख रहा था आम मतदाता। केंद्रीय बलों की उपस्थिति के कारण आम मतदाता वोट डालने का साहस कर पाया, इत्यादि, इत्यादि ......

पर एक और अति महत्वपूर्ण तर्क भी मतदाताओं को शांत नहीं बैठने दे रहा था, वो था, ममता सरकार में पश्चिम बंगाल मोदी सरकार के विकसित भारतड्ड 2047 व 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दौड़ में शामिल नहीं हो रहा था, और अगर सरकार न बदली होती तो पश्चिम बंगाल भविष्य में भारत के नक्शे पर गरीब, बीमारू व उन्नति के पैमाने पर मार्ग के किनारे पर दुखी, लाचार सा खड़ा मिलता, बच्चों का भविष्य क्या होता, बच्चों को रोजी-रोटी की तलाश में देशभर में भटकना पड़ता और बेरोजगारी दर बढ़ते ही अपराध चरम पर पहुँच जाता अर्थात राज्य का आर्थिक ढांचा चरमराते ही भविष्य अंधकारमय हो जावेगा। भारी निराशा हावी थी, एफडीआई पश्चिम बंगाल का रास्ता भूल चुका था। इंवेस्टमेंट ने पश्चिम बंगाल से अपना नाता तोड़ लिया था। देशी विदेशी पर्यटक, धार्मिक पर्यटन, राज्य से निर्यात, कृषि, औद्योगिक उत्पादन, शिक्षा, स्वास्थ्य, अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा सब हँसिये पर जा चुका था। केन्द्रीय योजनाओं के लिए ममता सरकार दरवाजे बंद कर चुकी थी, इस प्रकार के प्रश्नों से न केवल पश्चिम बंगाल का नुकसान हो रहा था, बल्कि जिस तरह शरीर का कोई एक अंग बीमार हो जावे तो पूरा शरीर बीमार हो जाता है, उसी प्रकार देश के एक राज्य का प्रगति की दौड़ में पिछड़ना पूरे देश की प्रगति में घातक सिद्ध होता है। इसी कारण पश्चिम बंगाल के मतदाता, कार्यकर्ता, माताऐं-बहनें-बेटियाँ बहुत आदर के पात्र हैं जिन्होंने समय रहते सटीक निर्णय कर राज्य की बागड़ोर श्री नरेन्द्र मोदी जी को सोंप कर न केवल पश्चिम बंगाल को बर्बादी से बचा लिया बल्कि विकसित भारतड्ड 2047 व 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए खुले दिल से अपना सहयोग, समर्थन व आशीर्वाद प्रदान किया। अब श्री नरेन्द्र मोदी जी की जिम्मेदारी इस विश्वास को पूरा करने के लिए और भी अधिक बड़ गई है। आने वाली राज्य सरकार को जनता की भावनाओं, अपेक्षाओं व विश्वास को केन्द्र मे रख कर बिना थके-बिना रुके चहुमुखी विकास के लिए अत्यधिक प्रयास करने होंगे।

लघु कथा

अपने-अपने मंदिर

सुभाष चन्द्र लखेड़ा

ऑस्ट्रेलिया की 'द यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिडनी' से इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के बाद जब कुंदन शाह का बेटा अर्जुन शाह पाँच वर्ष बाद स्वदेश लौटा तो महीना बीतते-बीतते कुंदन शाह को उसके रंग-ढंग अखरने लगे। ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले जो अर्जुन रोज़ सुबह अपनी सोसाइटी के मंदिर जाता था, इधर पिछले तीस दिनों में वह कभी सोसाइटी के मंदिर में नहीं गया। उन्हें यह देख भी अचरज होता था कि अब उनका बेटा ग़रीब लोगों के प्रति बहुत अधिक मेहरबान हो गया था। ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद उसने अपनी सोसाइटी के सफ़ाई कर्मियों को समझाया कि झाड़ू लगाते समय उन्हें अपने मुँह और नाक को महीन सूती कपड़े से ज़रूर ढकना चाहिए अन्यथा उन्हें साँस की तकलीफ़ होगी। चार-पांच बार वे उसके साथ बाज़ार गए तो वह लोगों को वहाँ भी स्वच्छता का पाठ पढ़ाने लगा।

तीन दिन पहले वह पास के एक अंध विद्यालय में गया और पूरे पाँच हज़ार रुपये ख़र्च कर आया। ख़ैर, आज सुबह उसे कुंदन शाह ने पूछा, 'तुम ऑस्ट्रेलिया से आने के बाद एक दिन भी मंदिर नहीं गए। क्या तुम अपनी संस्कृति को विदेश जाकर भूल चुके हो?'

जरा हटके

भूस्खलन के कारण एक झटके में खाली हो गई झील

क्यूबेक,(ईएमएस)। कनाडा के दक्षिण-पश्चिम क्यूबेक से प्रकृति के विनाश की एक विचलित करने वाली घटना सामने आई है। अपनी अनूठी बनावट के लिए दुनिया भर में मशहूर लेक रौज, जिसे लोग प्यार से इमोजी लेक कहते थे, अब पूरी तरह सूख चुकी है। यह झील ऊपर से देखने पर दो अन्य छोटी झीलों के साथ मिलकर एक हैरान चेहरे जैसा आकार बनाती थी, जो पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र थी। मई 2025 में स्थानीय समुदाय के लोगों ने पाया कि झील का पानी रहस्यमय तरीके से गायब हो चुका है और वहां अब केवल कीचड़ व मरी हुई मछलियों का ढेर बचा है। जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि झील का पूर्वी किनारा भीषण भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के कारण टूट गया, जिससे झील का पूरा पानी एक झटके में बाहर निकल गया। इस प्रलयकारी बहाव ने रास्ते में आने वाले छोटे तालाबों को भी नष्ट कर दिया।

सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि झील का पानी लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित डोडा लेक में जा मिला, जिससे उस झील का साफ पानी भी पूरी तरह मटमैला हो गया है। विशेषज्ञों ने इसे आउटबर्स्ट फ्लड करार दिया है, जो आमतौर पर केवल ग्लेशियर वाली झीलों में देखा जाता है। लेक रौज जैसी साधारण झील का इस तरह फटना एक अत्यंत दुर्लभ और चिंताजनक घटना है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस तबाही के पीछे मानवीय हस्तक्षेप और जलवायु परिवर्तन मुख्य कारण हैं। साल 2019 और 2023 में कनाडा के जंगलों में लगी भीषण आग ने जमीन की ऊपरी परत को बेहद कमजोर कर दिया था। जली हुई मिट्टी पानी सोखने की क्षमता खो देती है, जिससे झील के किनारों पर दबाव बढ़ गया। इसके साथ ही, इलाके में बड़े पैमाने पर हुई पेड़ों की कटाई ने आग में घी का काम किया।

पेड़ों की जड़ों के बिना मिट्टी अपनी पकड़ खो बैठी और भारी बर्फबारी के बाद अचानक पिघली बर्फ के दबाव को झील के किनारे सहन नहीं कर पाए। सरकारी हाइड्रोलॉजिस्ट के अनुसार, क्यूबेक का यह संवेदनशील इलाका अभी भी भौगोलिक बदलावों के दौर से गुजर रहा है, लेकिन इंसानी गतिविधियों ने इस प्रक्रिया को खतरनाक रूप से तेज कर दिया है। इस घटना से स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को अपूरणीय क्षति हुई है। हजारों मछलियों की मौत और जलीय जीवों के आवास नष्ट होने से स्थानीय शिकारी और मछुआरे अपनी आजीविका को लेकर गहरे संकट में हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण भविष्य में ऐसी घटनाएं और बढ़ सकती हैं, इसलिए अब अन्य झीलों की सुरक्षा और निगरानी बढ़ाना अनिवार्य हो गया है।

फोटो ऑफ द डे

कच्चे तेल के टैंकर ओडेसा को रास्ता दिखा रही टगबोट्स। यह टैंकर यूएई का कच्चा तेल लेकर होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रा था, उस समय इसका ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम ट्रांसपोंडर बंद था। -फोटो-ईएमएस

राज काज

रिलायंस और नायरा जैसी कंपनियों पर सरकार मेहरबान

मोदी सरकार निजी कंपनियों और उद्योगपतियों के ऊपर मेहरबान रहती है। केंद्र सरकार ने निर्यात पर लगने वाले शुल्क में ?32 लीटर की कमी कर दी है। इसका लाभ विदेश में तेल निर्यातक रिलायंस और नायरा जैसी कंपनियों को बड़ी कंपनियों को होगा। भारतीय नागरिकों के शुल्क में सरकार ने कोई कमी नहीं की है। महंगा डीजल-पेट्रोल भारतीयों को खरीदना ही पड़ेगा। पेट्रोल डीजल के रेट बढ़ेंगे तो टैक्स भी बढ़ेगा। आम आदमी आम ही होता है। खास आदमी खास होता है। यह सरकार खास आदमियों की विशेष फ़िक्र करती है।

ईरान के सामने बेबस ट्रंप

जिस जल्दबाजी में इजरायल और अमेरिका ने ईरान के ऊपर हमला किया था।यह कहा था, 8 दिन के अंदर वह ईरान को सबक सिखा देंगे, सत्ता में परिवर्तन हो जाएगा। हो उल्टा रहा है, ईरान की जनता सड़कों पर सरकार और युद्ध के समर्थन में खड़ी है।युद्ध के इस खेल में अमेरिका बाहर निकलना चाहता है। वह चाहता है, किसी भी तरीके से समझौता हो जाए। ईरान अब आक्रामक हो गया है। ट्रंप दादा को समझ नहीं आ रहा है, वह इस मुसीबत से कैसे बाहर निकले। इसे कहते हैं, शिकारी खुद शिकार हो गया।

बेमौसम बारिश और बर्फबारी

जेठ का महीना शुरू हो गया है। गर्मी पड़ने के स्थान पर देश के कई राज्यों में मौसम बदल गया है।आंधी बारिश और ओले गिर रहे हैं। कहीं-कहीं बर्फ गिरने की खबर आ रही है। मौसम इस तरह से अपना रंग दिखाएगा,इसका अंदाजा मौसम विभाग ने भी नहीं लगाया था। मंगलवार को मौसम विभाग ने नई चेतावनी जारी की। उत्तर प्रदेश, बिहार सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में आंधी तेज बारिश और बर्फबारी की संभावना व्यक्त की है।मौसम बदलने से अब सारे समीकरण बदल रहे हैं। लोगों को जेठ के महीने में भगवान याद आ रहे हैं।

रसोई गैस की बिक्री 16 फ़ीसदी घटी

भगवान के बाद, सरकार जो चाहे कर सकती है। ईरान-अमेरिका के युद्ध में कच्चे तेल और रसोई गैस का संकट आया। भारत सरकार ने इसका मुकाबला जिस तरह से किया है। वह चमत्कारिक है। 14 किलो के सिलेंडर की जगह 5 किलो के सिलेंडर में उपभोक्ताओं को गैस वितरित की जा रही है। रसोई गैस की बिक्री भारत में 16 फ़ीसदी गिर गई है। 5 किलो का सिलेंडर,जो गरीब और मध्यम वर्ग लेता है। वह सरकार ने सबसे महंगा कर दिया है। महंगी गैस होगी तो लोग कम जलाएंगे। सरकार ने सब्सिडी वाले सिलेंडर की सप्लाई कम कर दी है।अब गरीबों को महंगी गैस लेने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा।

व्यंग्य

अपराध दर अपराध

संजीव शुक्ल

अगर नेहरू का नाम लेना शर्मिंदगी और अपराध है तो यह अपराध विश्व की राजनीतिक और साहित्यिक बिरादरी की तमाम नामी-गिरामी शख़्सियतों ने किया है। आज ज़रूरत है कि इसका खुलकर पर्दाफ़ाश किया जाय। भगवान जाने इन अपराधों के प्रति उनमें कभी अपराधबोध हुआ या नहीं; शर्मिंदगी महसूस हुई या नहीं। क़ायदे में तो एक जाँच कमेटी इस पर भी बैठाई जानी चाहिए कि इन महनीय लोगों को अपने इन कुकृतयों पर कभी शर्मिंदगी हुई या नहीं। लेकिन हाँ, कमेटी बैठाने से पहले सतर्कता ज़रूर बरतें। कहीं उसका हाल सुभाष बाबू की गोपनीय फ़ाइलों को खुलवाने जैसा न हो जाए। बड़ा हल्ला मचता था कि सुभाष बाबू की गोपनीय फ़ाइलों में नेहरू के तमाम अपराध दर्ज हैं। पंथ-विशेष को लगता था कि इन फ़ाइलों में ज़रूर कुछ न कुछ नेहरू की बदनीयतों के क़िस्से मिलेंगे, जिसे फिर चटखारे लेकर सुनाया जाएगा। उनकी मनोहर कहानियों को और पंख लगेगें। पर सब बेकार !!

उल्टे उसमें तो नेहरू द्वारा सुभाष बाबू के परिवार की आर्थिक सहायता किये जाने की सदाशयता उजागर हो गयी, जिसे नेहरू जीते जी कभी इसका ज़िक्र तक नहीं करते थे। पता नहीं कैसे बड़े लोग थे जिन्होंने अपना ढिंढोरा तक नहीं पीटा ! खुद सुभाष जी की बेटी ने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में नेहरू और सुभाष दोनों को राष्ट्रवादी नेता बताया और बताया कि दोनों अपने अपने तरह से देश की सेवा कर रहे थे। उन्होंने नेहरू की खूब तारीफ़ की। जो कल तक गोपनीयता को अपराध बताते फिरते थे, पारदर्शिता का ढिंढोरा पीटते थे, वे इलेक्टोरल बांड की जानकारियों को छुपाने की भरसक कोशिश करते पाए गए। जो पारदर्शिता के पैरोकार थे, वे आज पी.एम. केयर फ़ंड का हिसाब जनता के बीच आना नहीं देना चाहते। ख़ैर तो आज सबसे पहले शुरूआत सुभाष बाबू के अपराधों से ही शुरू करते हैं। देखते हैं कि उन्होंने कैसे कैसे अपराध किए . . .तो सुभाष जी का अक्षम्य अपराध यह था कि उन्होंने एक जगह यह लिखा है कि 'भारत में अभी महात्मा गाँधी के बाद दूसरा सबसे कोई लोकप्रिय नेता है तो वह हैं जवाहरलाल जी। और वे आगे लिखते हैं कि, 'युवकों में तो वे महात्मा जी से भी अधिक लोकप्रिय हैं।'

इसके अलावा इतिहास को जानें तो पता चलता है कि सुभाष बाबू कांग्रेस की राह से अलग होने के बावजूद अपनी 'आज़ाद हिंद फौज' की ब्रिगेड के नाम गाँधी, नेहरू और मौलाना आज़ाद के नाम पर रखे जाने का अपराध करते हुए पाए जाते हैं। गाँधी तो चलो फिर भी उनसे उम्र में बहुत वरिष्ठ थे, इसलिए उनके प्रति उनके सम्मान को लोकलाज के तौर पर देखा जा सकता है, लेकिन नेहरू तो उनसे कुछ ही बरस बड़े थे। फिर उन्होंने ऐसा अपराध क्यों किया?

चिंतन-मनन

काम में तल्लीनता

एक साधक से पूछा गया-आप साधना करते हैं? उसने कहा, जब भूख लगती है, तब खा लेता हूं और जब नींद आती है, तब सो जाता हूं। यही है मेरी साधना। उसने कहा, बड़ी सीधी बात है। यह तो मैं भी कर सकता हूं। साधक से कहा, अच्छा आओ, भोजन करें। दोनों भोजन करने बैठे। भोजन पूरा हुआ। साधक ने पूछा, भोजन कर लिया। हां, कर लिया। क्या खाया। रोटी, शाक, चावल और मिठाई। केवल भोजन ही किया या कुछ स्मृति और कल्पना भी की। भोजन करते-करते अनेक स्मृतियां सामने आ गई। मीठी-मीठी कल्पनाएं भी कीं। भोजन यंत्रवत् चलता रहा और मैं उन स्मृतियों और कल्पनाओं में डूबता रहा। परोसी हुई थाली खाली हो गई। हाथ धोकर उठ खड़ा हुआ। साधक ने कहा, भाई! तुमने भोजन कहां किया। भोजन कहां खाया? तुमने तो स्मृतियां खाई हैं, कल्पनाएं खाई हैं, विचार खाया है, रोटी और मिठाई कहां खाई। केवल रोटी और मिठाई खाना बहुत कठिन होता है। आदमी विचार खाता है, कल्पना खाता है। आयुर्वेद का एक सूत्र है, तन्मना भुजीत- भोजन करते समय इसी बात का ध्यान रहे कि मैं भोजन कर रहा हूं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कही हुई बात है, किन्तु साधना की दृष्टि से यह और अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। साधक जो काम करे वह उसी में तन्मय बन जाए अन्यथा व्यक्तित्व खण्डित हो जाता है। डुयल पर्सनेलिटी खतरनाक होती है। जहां खंडित व्यक्तित्व होता है।

स्वास्थ्य

दिमाग को खाली करें, बुद्धिमानी बढ़ायें

वाशिंगटन (ईएमएस)। हाल ही में ऑस्ट्रिया के न्यूरो साइंटिस्ट पीटर जोन्स ने मस्तिष्क को लेकर एक दिलचस्प दावा किया है। वैज्ञानिकों ने याददाश्त के सबसे जिम्मेदार हिस्से हिप्पोकेंपस का अध्ययन किया है चूहा और नवजात शिशुओं के मस्तिष्क पर शोध कर्ताओं ने शोध में जानकारी दी है की जन्म के समय नवजात के दिमाग में व्यस्त की तुलना में लगभग 2 गुना से ज्यादा कनेक्शन में जानकारी होती है मस्तिष्क में सूचनाओं को सही ढंग से लाने के लिए जानकारी को व्यवस्थित करने के लिए पहले से भरी हुई जानकारी को मिटाना और नई जानकारी को व्यवस्थित तरीके से भरने से बुद्धिमानी बढ़ती है, मस्तिष्क तेज गति से काम करता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इंसान जितना अपने दिमाग को अनावश्यक सूचनाओं और पुराने विचारों से मुक्त करता है, उसकी सोचने-समझने की क्षमता उतनी बेहतर होती जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि उम्र बढ़ने के साथ केवल नई जानकारी जोड़ना ही जरूरी नहीं होता, बल्कि दिमाग में पहले से मौजूद सूचनाओं को व्यवस्थित करना और गैरजरूरी बातों को हटाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, मस्तिष्क में अनुभवों और आदतों के आधार पर कई 'न्यूरल पाथवे' यानी मानसिक रास्ते बन जाते हैं। समय के साथ इन रास्तों को व्यवस्थित नहीं किया जाए, तो दिमाग पर अतिरिक्त बोझ बढ़ने लगता है। इससे निर्णय लेने की क्षमता और रचनात्मक सोच प्रभावित हो सकती है। शोध में पाया गया,जो लोग नियमित रूप से ध्यान, शांत चिंतन, सीमित सूचना ग्रहण और मानसिक विश्राम जैसी आदतें अपनाते हैं। उनका दिमाग अधिक सक्रिय और तेज रहता है। विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि बुद्धिमत्ता केवल अधिक जानकारी इकट्ठा करने से नहीं आती।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर में युवक के अपहरण की कोशिश, पुलिस ने बचाया

इंदौर। एक युवक के अपहरण का प्रयास किया गया। मगर पुलिस ने वक्त रहते युवक को बचा लिया गया। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से पिस्टल और कार जब्त कर ली है। हालांकि मामला गुरुवार देर रात का है, मगर शनिवार को पुलिस ने मामले का खुलासा किया। एडिशनल डीसीपी रामस्नेही मिश्रा ने बताया कि गुरुवार देर रात को 112 को सूचना मिली की कुछ लोग एक युवक का अपहरण कर उज्जैन की तरफ जा रहे है। सूचना मिलने पर तुरंत बाणगंगा पुलिस एक्टिव हुई और गाड़ी का पीछा कर बारोली नाके के पास कार को रुकवाकर युवक को बचाया। वहीं कार सवार एक युवक को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। एमआईजी थाना क्षेत्र में रहने वाले शुभम विश्वकर्मा किसी के मिलने के लिए मरीमाता चौराहे गया था। तभी वहां पर भावेश याग्निक निवासी उज्जैन उसे कार में बैठाकर उज्जैन की तरफ जाने लगा था। जिसके बाद पुलिस ने उसके बचाया।अधिकारियों की माने तो शुभम की उज्जैन में शादी होने वाली थी, लेकिन किसी कारण से शादी कैंसल हो गई। जिसके बाद शादी के खर्चे को लेकर ये घटनाक्रम होने की बात सामने आई है। हालांकि, पुलिस ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने पिस्टल और उसकी एक्सयूवी कार भी जब्त की है।

दुष्कर्मी को 20 साल की सजा, शादी का झांसा देकर नाबालिग से किया था रेप

इंदौर। पॉक्सो स्पेशल कोर्ट ने शादी का झांसा देकर नाबालिग बालिका से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपी पर 20 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। पीड़िता ने 13 मार्च 2023 को अपने पिता के साथ थाना लसूड़िया पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी मनीष अर्चवाल से उसकी पारिवारिक कार्यक्रमों में आने-जाने के कारण दोनों की पहचान हुई थी। 2017 में आरोपी ने उसे प्रेम का प्रस्ताव दिया और शादी का वादा किया। इसके बाद वर्ष 2018 में आरोपी ने अपने घर बुलाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाए और कहा कि दोनों एक ही समाज के हैं, इसलिए जल्द शादी कर लेगा। शिकायत में यह भी कहा कि आरोपी वर्ष 2018 से फरवरी 2023 तक उसे अलग-अलग होटलों में ले जाकर शादी का झांसा देकर कई बार दुष्कर्म करता रहा। जब भी पीड़िता शादी की बात करती, आरोपी उसे बहाने बनाकर टाल देता था। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म, धमकी और पॉक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया, गवाहों के बयान दर्ज किए गए और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म, धमकी और पॉक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया, गवाहों के बयान दर्ज किए गए और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में 10 गवाहों के बयान प्रस्तुत किए। साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर कोर्ट ने 7 मई को आरोपी मनीष को पॉक्सो अधिनियम की धारा 5(एल)/6 के तहत 20 वर्ष के कठोर कारावास और भादंवि की धारा 366 के तहत 5 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष पहुंचे इंदौर : शहर के विकास माडल को राष्ट्रीय मॉडल बताया

इंदौर का अटल सदन हरियाणा विधानसभा जैसा- हरविंदर कल्याण

इंदौर।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने इंदौर को स्वच्छता, सुशासन और सशक्त शहरी प्रशासन का राष्ट्रीय मॉडल बताते हुए कहा कि यहां की व्यवस्थाओं को देखकर उन्हें हरियाणा विधानसभा जैसा अनुभव हुआ।

इंदौर प्रवास के दौरान कल्याण ने इंदौर नगर निगम के अटल परिषद सदन का अवलोकन किया। इस दौरान उन्हें इंदौर में चल रहे नवाचार विकास कार्यों और स्वच्छता मॉडल की विस्तृत प्रस्तुति भी दिखाई गई। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर, अश्विनी शुक्ल, राजेश

उदावत, नंदकिशोर पहाड़िया, अभिषेक शर्मा बबलू, सचेतक कमल वाघेला, पंखुड़ी डोसी, संध्या यादव, योगेश गेंदर सहित पार्षद और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने हरविंदर कल्याण का स्वागत करते हुए उन्हें नव-निर्मित अटल परिषद सदन का भ्रमण कराया। मेयर ने कहा कि देशभर में लोग इंदौर के स्वच्छता मॉडल को देखने आते हैं, लेकिन हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने विशेष रूप से अटल परिषद भवन की कार्य प्रणाली देखने की इच्छा जताई। अटल सदन का अवलोकन करने के बाद कल्याण ने कहा कि यहां का वातावरण और संचालन देखकर उन्हें हरियाणा विधानसभा जैसा अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि जिस ऊर्जा और प्रतिबद्धता से हरियाणा के मुख्यमंत्री और जनप्रतिनिधि काम करते हैं, उसी तरह इंदौर के मेयर भी पूरे उत्साह के साथ शहर के विकास में जुटे हैं। उन्होंने मेयर की सराहना करते हुए उन्हें ऊर्जावान और दूरदर्शी जनप्रतिनिधि बताया।

इंदौर मॉडल की रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजेंगे- उन्होंन ने कहा कि वे इंदौर की व्यवस्थाओं और यहां के अनुभवों पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर को सौंपेंगे, ताकि इंदौर के सफल मॉडल को देश के अन्य शहरों में भी लागू किया जा सके।

राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रभावशाली रही इंदौर की प्रस्तुति

कल्याण ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन में इंदौर नगर निगम की प्रस्तुति सबसे प्रभावशाली और प्रेरणादायी रही थी। उसी से प्रभावित होकर उन्होंने इंदौर आकर यहां के कार्यों को प्रत्यक्ष रूप से देखने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि इंदौर में कर्म, सेवा, भक्ति और विकास का अद्भुत संगम दिखाई देता है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की पुण्यभूमि और महाकाल मंदिर के आशीर्वाद से यह शहर देशभर में स्वच्छता और सुशासन की मिसाल बना है।

इंदौर में जनभागीदारी सबसे बड़ी ताकत

कल्याण ने कहा कि उन्होंने सुबह मेघदूत उद्यान में भ्रमण कर इंदौर के स्वच्छता मॉडल को व्यवहारिक रूप में देखा। उन्होंने कहा कि इंदौर की सफलता के पीछे जनभागीदारी और नागरिकों की सक्रिय सहभागिता सबसे बड़ा कारण है। मजबूत शहरी स्थानीय निकाय ही जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान कर सकते हैं और इंदौर इसका उत्कृष्ट उदाहरण है।

नेशनल लोक अदालत में उमड़े लोग

हाईकोर्ट में आपसी सुलह से 107 मामलों का हुआ निराकरण

47 लाख 53 हजार रुपये के अवार्ड पारित, 587 हितग्राही हुए लाभान्वित

इंदौर।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति विजय कुमार शुक्ला के आदेशानुसार म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत के समक्ष सिविल (एमएसीटीआदि), रिट, क्रिमिनल एवं अन्य प्रकृति के कुल 318 प्रकरणों को सुनवाई हेतु रखा गया था जिसमें से कुल 107 प्रकरण निराकृत किये जाकर लगभग राशि 47 लाख 53 हजार रुपये के अवार्ड पारित हुए, उक्त प्रकरणों के निराकरण से 587 पक्षकार लाभान्वित हुए।

इस वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ आज शनिवार को उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के सभागार में प्रशासनिक न्यायाधिपति विजय कुमार शुक्ला, न्यायाधिपति जय कुमार पिल्लई एवं न्यायाधिपति आलोक अवस्थी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर अनूप कुमार त्रिपाठी, प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, नीरज मालवीय, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, मनीष यादव ,अध्यक्ष, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ, मनीष गढ़कर सचिव उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ, खण्डपीठ के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीमती सुधा श्रीवास्तव, अधिवक्ता भुवन गौतम सहित अन्य अधिवक्तागण, बीमा कंपनियों के अधिकारीगण, उच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। न्यायाधिपतिगण द्वारा कांफ्रेंस हॉल में उपस्थित सभी व्यक्तियों को नेशनल लोक अदालत की शुभकामनाएं प्रेषित की गई। नेशनल लोक अदालत में उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर की ओर से प्रकरणों को सुनवाई हेतु न्यायाधिपति विजय कुमार शुक्ला, न्यायाधिपति जय कुमार पिल्लई की खण्डपीठों के समक्ष रखा गया जिसमें खण्डपीठों द्वारा 107 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। संपूर्ण मध्यप्रदेश के लिए नेशनल लोक अदालत का वर्चुअल शुभारंभ न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा मुख्य न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा प्रशासनिक न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर विवेक रुसिया एवं न्यायमूर्तिगण की उपस्थिति में किया गया।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोगों में 57 प्रकरणों का निराकरण

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। उक्त लोक अदालत में कुल 57 प्रकरणों का निराकरण कर दो करोड़ 20 लाख 60 हजार से अधिक रुपये के अवार्ड पारित किए गए। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग इंदौर क्र.2 के अध्यक्ष विकास राय द्वारा बताया गया कि प्राप्त आदेशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। मुख्य जिला उपभोक्ता आयोग इंदौर क्रमांक-1 में 29 प्रकरण, सम्बद्ध जिला आयोग इंदौर क्रमांक-2 में 26 प्रकरण एवं जिला आयोग मण्डलेश्वर में 02 प्रकरण इस प्रकार कुल 57 प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामे के आधार पर किया गया। जिनमें कुल दो करोड़ 20 लाख 60 हजार 828 रूपये के अवॉर्ड पारित किये गये।

गाड़ी खड़ी करने की बात को लेकर विवाद युवक को मारी गोली

इंदौर। तिलक नगर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक युवक को गोली मार दी। गोली के छर्रे युवक की जांघ में लगे। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घायल युवक को निजी अस्पताल में भर्ती किया है, उसका इलाज चल रहा है। घटना में पुलिस को दो आरोपियों की जानकारी मिली है, जिनकी तलाश जारी है। एडिशनल डीसीपी आमरेंद्र सिंह ने बताया कि घटना तिलक नगर थाना क्षेत्र के सॉफ्टविजन कॉलेज के ग्राउंड की है। शनिवार देर शाम को यहां पर एक युवक का टोली इकट्ठा हुई थे। बापट चौराहे पर माल्यार्पण के आयोजन में उन्हें जाना था। इस दौरान एक युवक ने परदेशीपुरा के रहने वाले आकाश ठाकुर नामक युवक को गोली मार दी। उसकी जांघ में छर्रे लगे हैं। तिलक नगर टीआई मनीष लोधा ने बताया कि आरोपी और फरियादी महाराणा प्रताप जयंती के मौके पर बापट चौराहे पर माल्यार्पण के आयोजन में शामिल होने के लिए कॉलेज के पास ग्राउंड में इकट्ठा हुए थे। इस दौरान गाड़ी खड़ी करने की बात को लेकर फरियादी व आरोपी अमित राजावत, उत्तम ठाकुर के बीच घूराघारी हो गई। जिसके बाद आरोपियों ने फरियादी पर फायर कर दिया और मौके से भाग निकले। घटना के बाद घायल को निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। इधर, बताया जा रहा है कि अचानक गोली चलने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस मामले में जिस अमित राजावत का नाम सामने आ रहा है वह खजराना इलाके का रहने वाला है। वहीं उत्तम ठाकुर एरोड्रम क्षेत्र का रहने वाला है।

विकास और प्रगति की बुनियाद है शिक्षा -मंत्री सिलावट

इंदौर।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में देश और प्रदेश में शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में वृहद स्तर पर कार्यक्रम किए जा रहे है। विकास और प्रगति की बुनियाद है शिक्षा।

लेखिका संघ के सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में शामिल हुए शिक्षाविद् और साहित्यकार

शिक्षा से समाज में बड़ा बदलाव आ रहा है। जल संसाधन मंत्री सिलावट आज इंदौर के अभिनव कला समाज में इंदौर लेखिका संघ द्वारा आयोजित सम्मान एवं संवाद समारोह में अपना संबोधन दे रहे थे। इस मौके पर मंत्री सिलावट ने विदेशी धरती पर साहित्य का परचम फहराने वाले मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे का शाल, श्रीफल और अभिनन्दन पत्र प्रदान कर सम्मान किया। कार्यक्रम में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग की अध्यक्ष डॉ. सोनाली सिंह नरगुंदे, स्टेट प्रेस क्लब मध्यप्रदेश के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल एवं इंदौर लेखिका संघ की अध्यक्ष डॉ. स्वाति तिवारी विशेष रूप से उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमध्यभारत हिंदी साहित्य समिति इंदौर के अध्यक्ष अरविंद जवलेकर ने की।

कार्यक्रम में मंत्री सिलावट ने कहा कि मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने विदेश में पुरस्कार प्राप्त कर इंदौर ही नहीं प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है। ऐसे व्यक्तित्व से हमको प्रेरणा लेना चाहिए। मंत्री सिलावट ने राज्य शासन की ओर से डॉ. विकास दवे को बधाई देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश साहित्य के क्षेत्र में अपना गौरव आगे भी बढ़ाता रहेगा। मंत्री सिलावट ने श्रीमती सुनीता दवे का भी सम्मान किया। कार्यक्रम में डॉ. सोनाली नरगुंदे, प्रवीण खारीवाल और अरविंद जवलेकर ने भी डॉ. विकास दवे को पुरस्कार मिलने पर बधाई देते हुए अपने विचार व्यक्त किए। अभिनन्दन पत्र का वाच्चन श्रीमती मनीषा व्यास ने किया। स्वागत गीत डॉ. सुरेखा भारती ने गाया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार भूपेन्द्र गौत्तम, सुरेश तिवारी, कीर्ति राणा, सतीश जोशी, अन्ना दुराई सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार, पत्रकार एवं शिक्षाविद् उपस्थित थे।

19 व्यापारियों के साथ 6 करोड़ से ज्यादा की धोखाधोड़ी

इंदौर। 19 व्यापारियों के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। मामले में क्राइम ब्रांच ने कायमी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, वहीं एक की तलाश की जा रही है। मामला शक्कर व्यापार से जुड़ा है। जहां आरोपी पक्ष द्वारा शक्कर लेने के बाद भी उसका पैसा नहीं दिया जा रहा था। 19 व्यापारियों के साथ 6 करोड़ 54 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। डीसीपी क्राइम ब्रांच इंदौर राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 19 व्यापारियों की शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज किया है। इसमें तरुण जैसवानी को पकड़ा है, वहीं उसके एक साथ की तलाश की जा रही है। इस मामले में 19 फरियादी है, जो पिछले डेढ़ साल से परेशान थे। आरोपी और फरियादियों के बीच शक्कर के लेन-देन का कामकाज था। बाद में इस व्यापार में आरोपियों ने लगातार शक्कर ली और उसका पेमेंट नहीं किया। आरोपी बार-बार उन्हें पेमेंट का भरोसा दिलाते रहे। इसमें उन्होंने एग्रीमेंट भी किया। मगर फरियादियों को पैसा नहीं लौटाया गया। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद क्राइम ब्रांच ने आरोपी पक्ष भी क्राइम ब्रांच बुलवाया गया अपना पक्ष रखने के लिए, लेकिन वे नहीं आए। इस पर क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज किया और आरोपी तरुण जैसवानी को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में एक साथी की तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि आरोपी चॉकलेट कारोबार से जुड़ा हुआ है।

शहर में भीषण गर्मी का दौर, पारा 41 डिग्री पहुंचा

इंदौर। एक हफ्ते तक दिन और रात को गर्मी से कुछ राहत मिलने के बाद शुक्रवार से फिर मौसम बदलना शुरू हुआ है। एक हफ्ते बाद फिर दिन का पारा फिर करीब 2 डिग्री उछलकर 41 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। रात का तापमान भी अभी सामान्य से ज्यादा ही है। शनिवार सुबह से मौसम साफ होने के साथ धूप चढ़ने लगी और गर्मी का असर होने लगा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अगरे तीन-चार दिनों में तापमान और धीरे-धीरे बढ़ने के आसार हैं। इससे गर्मी का असर और तेज होगा। गुरुवार को दिन का पारा 39.9 (0) डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य था। शुक्रवार को दोपहर 12 बजे बाद गर्मी का असर तेज होना शुरू हुआ। इस दौरान दिन का तापमान 2 डिग्री बढ़कर 41.2 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

भूकंप एवं आपदाओं से बचाव के गुर सीखने जुटे युवा

इंदौर।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के होलकर विज्ञान महाविद्यालय स्थित यशवंत सभागार में शनिवार को भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता एवं क्षमता संवर्धन कार्यशाला सम्पन्न हुई। सामाजिक सरोकारों से जुड़े इस आयोजन में विभिन्न महाविद्यालयों एवं संस्थानों से आए 100 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को भूकंप, रेल दुर्घटना, सर्पदंश एवं अग्निकांड जैसी आपदाओं से बचाव और राहत कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्लाटून कमांडर रोहन रायकवार, सुमित खरे एवं निलेश डामोर ने व्याख्यान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया।

ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए लू एवं हीट स्ट्रोक से बचाव के उपायों पर भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन उपकरणों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कर उनकी व्यावहारिक समझ को और अधिक मजबूत बनाया गया। कार्यक्रम का संचालन स्छश्वक्रङ्म जिला कमांडेंट राजेश जैन के मार्गदर्शन में हुआ। वहीं जिला आपदा प्रबंधन प्रभारी चरणजीत सिंह हुड्डा (डिप्टी कलेक्टर इंदौर) के सतत मार्गदर्शन ने आयोजन को प्रशासनिक मजबूती प्रदान की।

होलकर विज्ञान महाविद्यालय के स्टाफ ने भी आयोजन को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। संवाद, प्रशिक्षण, प्रत्यक्ष प्रदर्शन और प्रशासनिक समन्वय से परिपूर्ण यह कार्यशाला इंदौर जिले में आपदा पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन की दिशा में एक अनुकरणीय पहल बनकर सामने आई।

एमवाय अस्पताल में सीटी स्कैन एण्ड एमआरआई सेंटर का किया शुभारंभ

एमवाय अस्पताल को मिली आधुनिक मशीनें

इंदौर।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर से बेहतर किया जा रहा है। देश में अब सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और एम्स की भी संख्या बढ़ाई जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। आयुष्मान भारत योजना का लाभ बड़ी संख्या में नागरिकों को मिल रहा है। सांसद लालवानी आज शासकीय महाराज यशवंतराव चिकित्सालय इंदौर के रेडियोलॉजी विभाग में आयोजित अत्याधुनिक सीटी स्कैन एण्ड एमआरआई सेन्टर के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विधायक गोलू शुक्ला, एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया, सुपरिंटेंडेंट डॉ. अशोक यादव एवं रेडियोडाग्नोसिस विभागाध्यक्ष डॉ. अलका अग्रवाल विशेष

रूप से उपस्थित थी।

कार्यक्रम में सांसद लालवानी ने कहा कि एमवाय अस्पताल में सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन के लगने से दूर दराज अंचल से आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। सड़क हादसों में घायल मरीजों को शीघ्र उपचार मिलेगा। अब उन्हें जांच के लिए दूसरे अस्पतालों में जाना नहीं पड़ेगा। लालवानी ने कहा कि एमवाय अस्पताल में हेड इंजरी के उपचार के लिए मरीज दूर-दूर से आते है, ऐसे मरीजों के लिए सीटी स्कैन एंड एमआरआई सेन्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विधायक गोलू शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के प्रयासों से इंदौर के एमवाय अस्पताल को ये दोनों आधुनिकत्तम मशीनें मिली है। हमारी कोशिश रहेगी कि इस अस्पताल को बेरियेटिक सर्जरी की भी बेहतर सुविधा मिले। कार्यक्रम में डॉ. अरविंद घनघोरिया ने कहा कि एमवाय अस्पताल में उच्च स्तर के अनुभवी विशेषज्ञों का होना इंदौर के लिए ही नहीं बल्कि प्रदेश और देश के लिए गौरव की बात है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज में स्नातक और स्नातकोत्तर की ?सीटें बढ़ने का लाभ प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर होगी। कार्यक्रम में डॉ. अलका अग्रवाल ने सीटी स्कैन मशीन और एमआरआई मशीनों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि इस विश्व स्तरीय तकनीक का लाभ आयुष्मान हितग्राही मरीजों के लिए निशुल्क एवं अन्य सभी मरीजों के लिए रियायती दर पर मिल सकेगा।

कार्यक्रम के पूर्व सांसद लालवानी और विधायक गोलू शुक्ला ने फीता काटकर समारोह का शुभारंभ किया। साथ ही मशीनों का पूजन भी किया। कार्यक्रम में डॉ. अमन गुप्ता, डॉ. अरविंद शुक्ला सहित बड़ी संख्या में डॉक्टर एवं मेडिकल के छात्र उपस्थित थे।

फटाफट खबरें

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी को दी बधाई

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज कोलकाता में पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी से भेंट कर उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता द्वारा दिया गया यह ऐतिहासिक जनादेश प्रदेश में विकास, सुशासन, सुरक्षा एवं राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रति जनता के अटूट विश्वास को नई मजबूती देगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विकास एवं जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर होगा और राज्य प्रगति एवं समृद्धि के नए प्रतिमान स्थापित करेगा।

गर्मी में पक्षियों के संरक्षण हेतु मण्डल रेल चिकित्सालय भोपाल की पहल

भोपाल। बढ़ती हुई गर्मी को देखते हुए मण्डल रेल चिकित्सालय भोपाल के पार्क एरिया में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय डोगरा के नेतृत्व में मेडिकल टीम एवं स्टाफ द्वारा पक्षियों के पानी पीने हेतु सकोरे लगाए गए। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने-अपने घरों एवं कार्यस्थलों पर भी ग्रीष्म ऋतु में पक्षियों के हित में सकोरे लगाने एवं नियमित रूप से उनमें पानी भरने का संदेश दिया गया। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों को पानी उपलब्ध कराना सामाजिक एवं मानवीय जिम्मेदारी है तथा इस प्रकार के छोटे-छोटे प्रयास पर्यावरण संरक्षण एवं जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देते हैं।

एक जुलाई से भोपाल से नोएडा के जेवर एयरपोर्ट की पहली उड़ान

भोपाल। आगामी दो माह में प्रदेश की राजधानी से देश की राजधानी और एनसीआर के लिए हवाई कनेक्टिविटी बढ़ने जा रही है। राजा भोज एयरपोर्ट से नोएडा के जेवर एयरपोर्ट के लिए 1 जुलाई से नई फ्लाइट शुरू होगी। इसके बाद भोपाल से दिल्ली क्षेत्र के लिए कुल 8 फ्लाइट्स संचालित होने लगेंगी। नई सेवा से यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट के अलावा एनसीआर का दूसरा विकल्प मिलेगा। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार इंडिगो ने जेवर एयरपोर्ट के लिए स्लॉट ले लिया है और 78 सीटर एटीआर विमान से नियमित उड़ान शुरू करने की तैयारी है। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश, नोएडा और एनसीआर के कई इलाकों तक पहुंच आसान होगी।

कोलकाता और लखनऊ के स्लॉट लिए, पर उड़ान अभी नहीं वही , दूसरी ओर भोपाल की कई अहम फ्लाइट्स अब भी बंद पड़ी हैं। इंडिगो द्वारा बंद की गई भोपाल-जयपुर, भोपाल-प्रयागराज, भोपाल-उदयपुर और भोपाल-गोवा उड़ानों को दोबारा शुरू करने पर फिलहाल कुछ निर्णय नहीं हो सका है। इसके अलावा कोलकाता और लखनऊ के लिए स्लॉट लेने के बावजूद उड़ान शुरू नहीं की गई। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार पिछले दो वर्षों से इंडिगो कई रूट्स पर स्लॉट लेने के बाद भी संचालन शुरू नहीं कर पा रही है। नियमित यात्रियों का कहना है कि कई प्रमुख शहरों की सीधी उड़ानें बंद होने से उन्हें दिल्ली, मुंबई या दूसरे शहरों के जरिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी पड़ रही है।

3 राज्यों में सरकार गठन के चलते

मध्यप्रदेश में रोकी गई निगम-मंडलों की सूची

● भोपाल, ईएमएस।

मध्यप्रदेश में पिछले कई दिनों से निगम मंडलों और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्ति की जा रही थी लेकिन पांच राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद इनमें से तीन राज्यों में भाजपा की सरकार बनने की कवायद को लेकर फिलहाल निगम मंडलों में नियुक्ति को रोक दिया गया है। वही दूसरी और मई माह में ही ओरछा में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व वाली पहली कार्यसमिति की बैठक होनी है। इससे पहले प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा होनी है। नेतृत्व ने हर जिले से 3 कार्यकर्ताओं को कार्यसमिति में शामिल करने की गाइडलाइन तय की है। इसमें एक महिला, एक विशेष आमंत्रित सदस्य भी होंगे।

प्रदेश भाजपा ने ओरछा में कार्यसमिति की बैठक का तो एलान कर दिया, लेकिन अब तक कार्यसमिति का गठन नहीं हो सका है। इसके लिए नेतृत्व ने हर जिले से एक महिला सहित तीन नाम मांगे थे। जानकारों की मानें तो जिला संगठन इन तीन नामों पर सहमति नहीं बना पा रहा है। गौरतलब है कि मई माह में ओरछा में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व वाली पहली कार्यसमिति की बैठक होनी है। इससे पहले प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा होनी है। नेतृत्व ने हर जिले से 3 कार्यकर्ताओं को कार्यसमिति में शामिल करने की गाइडलाइन तय की है। इसमें एक महिला, एक विशेष आमंत्रित सदस्य भी होंगे।

यह संख्या छोटे और बड़े जिलों के अनुसार घट बढ़ सकती है। यानि कि पांढुर्ना, मैहर और मऊगंज, निवाड़ी जैसे छोटे जिलों में दो कार्यकर्ताओं को कार्यसमिति में लिया जा सकता है, जबकि संभागीय मुख्यालय वाले बड़े नगरों जैसे भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर और रीवा से 3 से 5 सदस्य कार्यसमिति में लिए जा सकते हैं। पार्टी से जुड़े जानकारों की मानें तो नेतृत्व ने सभी जिला संगठनों से कार्यसमिति के लिए संभावित 3 नामों का पैनल भेजने को कहा था। इन सभी को मई के मौजूदा सप्ताह में ही नाम भोपाल भेजने थे, लेकिन कई जिले अब तक नाम नहीं भेज पाए हैं। कहा जा रहा है कि जिलों में वहां के संगठन किसी 3 नामों पर सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वहां के पार्टी विधायक, मंत्री, वरिष्ठ नेता और प्रदेश में पदाधिकारी अपने अपने समर्थकों को कार्यसमिति के जरिए उपकृत करना चाहते हैं, जिससे आम सहमति नहीं बन पा रही है। इस चयन में नए और पुराने नेताओं, क्षेत्रीय समीकरण और सामाजिक संतुलन को साधने की कोशिश भी नेतृत्व को परेशानी में डाले हुए है। जानकारों की मानें तो इस बार प्रदेश नेतृत्व पिछली कार्यसमिति की तुलना में इस बार सदस्यों की संख्या सीमित होगी। हर जिले से 3 सदस्यों के हिसाब से 162 से भी कम संख्या रखने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा विशेष आमंत्रित सदस्यों की संख्या भी अधिकतम 30 प्रतिशत यानि कि 32 सदस्य तक सीमित रख सकती है।

सीएम और संगठन के नेताओं की व्यस्तता भी वजह

दूसरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी पिछले दिनों से मध्यप्रदेश से बाहर प्रवास पर हैं। सीएम शनिवार को पश्चिम बंगला के कोलकाता के प्रवास पर रहें, जहां सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। वहीं दूसरी और अन्य दो राज्यों में भाजपा की सरकार के गठन की प्रक्रिया की वजह से पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व व्यस्त है। ऐसे में निगम मंडलों की शेष नियुक्तियों पर कुछ दिनों के लिए विराम लग सकता है। इसी तरह संगठन के दूसरे वरिष्ठ नेता भी दूसरे कारणों से व्यस्त बताए जा रहे हैं, जिसकी वजह से संगठनात्मक नियुक्तियों में भी देरी हो रही है।

नेतृत्व से खुश नहीं है विधायक, सांसद

हालही में प्राधिकरण एवं निगम मंडलों में हुई नियुक्ति को लेकर पार्टी के कुछ विधायकएवं सांसद प्रदेश नेतृत्व से खुश नहीं हैं कि उनके मानना है कि उनके क्षेत्र के प्राधिकरणों की नियुक्ति में उनसे चर्चा नहीं की। कुछ विधायक प्राधिकरण से लेकर निगम मंडलों में भी अपने समर्थकों के लिए काफी दिनों से सक्रिय रहे है और उनके द्वारा कई बार प्रदेश संगठन से लेकर मुख्यमंत्री तक से सिफारिश की गई है। लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। पार्टी के सांसदों की भी कुछ ऐसी ही नाराजगी है। ऐसे में विधायक और सांसद चाहते है कि प्रदेश कार्यसमिति में उनके समर्थकों को ज्यादा से ज्यादा स्थान दिया जाए। सूत्रों की मानें तो सरकार के एक मंत्री भी इस बात को लेकर नाराज थे, कि उनकी सहमति के बिना राज्य महिला आयोग में एक महिला नेत्री को सदस्य बनाया जा रहा था। गौरतलब है कि सरकार ने जब राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों के नाम पर सहमति बनाई थी, तब उसमें ग्वालियर की पूर्व मेयर समीक्षा गुप्ता का भी नाम था। लेकिन उस पर ग्वालियर से आने वाले एक मंत्री ने एतराज जता दिया, जिससे पूरी सूची जारी होने से रोक दी गई।

पीडब्ल्यूडी के रेस्ट हाउस-सर्किट हाउस आरक्षण को लेकर नया आदेश

कलेक्टर-एसडीएम से अधिकार छीने

● भोपाल, ईएमएस।

मध्यप्रदेश में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के रेस्ट हाउस और सर्किट हाउस के कक्षों के आरक्षण को लेकर नया आदेश जारी किया गया है। विभाग ने कलेक्टर और एसडीएम द्वारा आरक्षण प्रक्रिया में हस्तक्षेप पर आपत्ति जताते हुए इसे विभागीय अधिकारों पर अतिक्रमण माना है। इसके बाद आरक्षण संबंधी अधिकारों को लेकर नई व्यवस्था लागू की गई है। लोक निर्माण विभाग मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि राज्य शासन के अधीन आने वाले विश्राम भवनों और विश्राम गृहों के कक्षों के आरक्षण का अधिकार तय अधिकारियों के पास ही रहेगा। शासन ने यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है।

राजधानी में विश्राम भवन का आरक्षण सत्कार अधिकारी देखेंगे

आदेश के अनुसार राजधानी भोपाल स्थित विश्राम भवनों के आरक्षण का अधिकार राज्य सरकार के सत्कार अधिकारी को दिया गया है। वहीं भोपाल के सर्किट हाउस के कक्षों के आरक्षण की जिम्मेदारी कलेक्टर को सौंपी गई है। इसके अलावा राजधानी के सभी रेस्ट हाउसों के आरक्षण का अधिकार लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता कार्यालय के मुख्य अभियंता के पास रहेगा। वहीं जिला मुख्यालय, तहसील स्तर और उससे नीचे स्थित विश्राम गृहों के आरक्षण का अधिकार संबंधित जिले के कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया है। लोक निर्माण विभाग ने अपने आदेश में कहा है कि अन्य सभी पूर्व शर्तें यथावत लागू रहेंगी। विभाग का मानना है कि आरक्षण प्रक्रिया तय नियमों के तहत ही संचालित की जानी चाहिए, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था में स्पष्टता बनी रहे।

अब कोई ओटीपी नहीं मांगा जाएगा

भोपाल में कई लोग जनगणाना प्रगणकों को नहीं दे रहे जानकारी

● भोपाल, ईएमएस।

देश में करीब 15 वर्ष बाद जनगणना का काम शुरू हो चुका हैव। मध्य प्रदेश में 1 मई से जनगणना की शुरुआत हो गई है। यह जनगणना का पहला चरण है। जिसमें एक महीने तक मकान और परिवार से संबंधित 33 बिंदुओं पर जानकारी पूछी जाएगी। इस काम के लिए भोपाल में ही 6 हजार से ज्यादा कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो शहरी क्षेत्र के 25 जोन में काम करेंगे।

जनगणना के बीच प्रगणकों को कई परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। कई लोग प्रगणकों को जनगणना से जुड़ी जानकारी नहीं दे रहे हैं। सामने आया है कि ओटीपी (वन टाइम पॉसवर्ड) से लोगों को ठगी का डर भी है।

वहीं, किराएदारों की जानकारी देने पर वे इनकम टैक्स के दायरे में आ सकते हैं? हालांकि, प्रगणक शहरवासियों को समझा रहे हैं कि ऐसा कुछ नहीं है।

नगर निगम की कमिश्नर संस्कृति जैन ने इसे लेकर स्परूट किया है कि जनगणना देश का बहुत बड़ा महाअभियान है, जो लोगों के सहयोग के बिना नहीं कर सकते। प्रगणक यदि आपके घर आ रहे हैं, उन्हें सही जवाब दें। प्रश्न बहुत आसान है। चिंता न करें, कोई ओटीपी नहीं लिया जा रहा है। हां, मोबाइल नंबर जरूर मांगा जा रहा है। ताकि एसएमएस के जरिए ही गणना की जानकारी मिल सके। जनगणना को लेकर प्रगणकों की हर रोज बैठकें भी ले रहे हैं।

पहले चरण में 33 बिंदुओं पर ले रहे जानकारी

मकान नंबर, छत-दीवार कैसी है?, मकान की वर्तमान स्थिति, उसका पयोग, घर में रहने वाले लोगों की संख्या, परिवार के मुखिया का नाम, उसका लिंग, पेजयल का मुख्य स्रोत, शौचालय का प्रकार, गंदे पानी की निकास्यी, पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता, प्रकाश का मुख्य स्रोत, रेडियो या ट्रांजिस्टर, टेलीविजन, इंटरनेट सुविधा है या नहीं?, टेलीफोन, साइकिल, स्कूटर, बाइक या मोपेड, कार, जीप या वैन, मोबाइल नंबर समेत 33 बिंदुओं की जानकारी ली जाएगी।

जनगणना कर्मियों के फोन से ऑटोमेटिक हट जाएगा एप

इधर, घर-घर जाकर जनगणना कर रहे सरकारी कर्मचारी (जनगणना कर्मचारी) लोगों से जो जानकारी जुटा रहे हैं, वह सीधे जनगणना के सरकारी सर्वर पर अपडेट हो रही है। यह डेटा जनगणना कर्मचारियों के मोबाइल फोन में स्टोर नहीं हो रहा। यदि किसी कर्मचारी का मोबाइल खो जाए, चोरी हो जाए या खराब हो जाए, तब भी डेटा चोरी या नष्ट नहीं होगा। जनगणना निदेशालय के अधिकारियों के अनुसार गोपनीयता रखने और साइबर अपराधियों की पहुंच से दूर रखने के लिए यह व्यवस्था की गई है। जनगणना कर्मियों के मोबाइल में इंस्टॉल एचएलओ एप 30 मई की रात 12 बजे निष्क्रिय हो जाएगा। इसके साथ ही सभी जनगणना कर्मचारियों की लॉगिन आईडी भी स्वतः निरस्त हो जाएगी।

मदर्स डे पर नगर निगम का विशेष आयोजन

चलो मम्मा वॉकथॉन में दिखा महिलाओं का उत्साह

इंदौर

इंदौर में जल संरक्षण का लिया संकल्प, मदर्स डे के अवसर पर इंदौर नगर निगम द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत स्वच्छता और जल संरक्षण को लेकर जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 'चलो मम्मा वॉकथॉन' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पुष्यमित्र भार्गव और क्षितिज सिंघल ने नेहरू स्टेडियम से किया। इस अवसर पर अपर कमिश्नर आशीष पाठक, द वर्ड ऑफ फिटनेस की आरती माहेश्वरी सहित शहर के 25 से अधिक संगठनों की सैकडों महिलाएं उत्साहपूर्वक शामिल हुईं।

कार्यक्रम के दौरान मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने उपस्थित महिलाओं को जल संरक्षण की शपथ दिलाई और सभी से आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। चलो मम्मा वॉकथॉन नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर डेली कॉलेज मार्ग से होते हुए पुनः नेहरू स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे आयोजन के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह और जागरूकता देखने को मिली।

मेयर ने शहरवासियों से आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण में भी सक्रिय भागीदारी करने की अपील करते हुए कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में इंदौर की पहचान बनाए रखने के लिए जनभागीदारी बेहद जरूरी है।

मातृत्व के साथ सामाजिक जागरूकता का संदेश

मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नारी शक्ति की सहभागिता के साथ जल संरक्षण को लेकर यह आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि चलो मम्मा शब्द केवल मातृत्व का प्रतीक नहीं है, बल्कि समाज को जागरूक करने का संदेश भी देता है। उन्होंने कहा कि इंदौर नगर निगम स्वच्छता के साथ-साथ जल संरक्षण के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहा है। बढ़ती जनसंख्या और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए प्रत्येक नागरिक को जल बचाने के प्रति गंभीर होना होगा।

महिलाओं की सहभागिता प्रेरणादायी

निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने कहा कि स्वच्छता के साथ जल संग्रहण और संरक्षण को लेकर महिलाओं का उत्साह अत्यंत प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि इंदौर की जागरूक महिलाएं अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को गंभीरता से निभा रही हैं, जो पूरे शहर के लिए प्रेरणा का विषय है।

चलती बाइक में लगी आग ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

इंदौर

शुक्रवार दोपहर एलआईजी चौराहे पर अचानक एक चलती बाइक में आग लग गई। युवक ने कूदकर जान बचा ली। देखते ही देखते आग ने पूरी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। घटना से वहां हड़कंप मच गया।

फायर ब्रिगेड के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 3-20 बजे एल आई जी चौराहे पर बाइक में आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाई जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जांच में आग लगने का कारण बाइक के इंजन के पास शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। आग इतनी तेजी से फैल गई की कुछ ही देर में बाइक पूरी तरह से जल गई।

» न्यूज ब्रीफ

दो नाबालिक का अपहरण

विदुर नगर में रहने वाली किशोरी परिजन को करने का सामान लेने का बोलकर निकली थी जो लापता हो गई इसी प्रकार धीरज नगर खजराना में रहने वाला 15 वर्षीय दीपक मालवीय परिजन को बिना बताए घर से कहीं चला गया। दोनों मामलों में पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया।

युवक को चाकू मारा

पालदा क्षेत्र में रहने वाले महेश पिता किशनलाल माली को किसी बात के चलते गोपाल पिता मुन्नालाल चौहान ने चाकू मार दिया। जिसमें वह घायल हो गया ।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

चाय कैफे पर फायर करने वाला पकड़ाया

इंदौर

स्कीम नंबर 78 में स्थित चाय कैफे के संचालक के साथ मारपीट कर फायर कर फरार हुए आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी आर्यन पिता राजेंद्र पटेल 24 साल निवासी मां शारदा नगर ने 13 अप्रैल को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी स्कीम नंबर 78 में चाय चौकी कैफे के नाम से दुकान है। उसके मुताबिक कैफे पर ऋषभ सिंह राजपूत का उसके दोस्त से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आर्यन ने बीच में आकर दोनों का विवाद खत्म कराया। आर्यन के मुताबिक घटना के 1 घंटे बाद ऋषभ सिंह राजपूत अपने दोस्त हनी उर्फ निखिल गोस्वामी के साथ आया और फरियादी को गालियां देते हुए मारपीट की। इसके बाद ऋषभ सिंह ने अपनी एक्टिवा से पिस्टल निकाल कर आर्यन के सामने दो से तीन बार फायर कर दिया जिसमें वह बच गया। ऋषभ सिंह और उसके साथ ही में मिलकर आर्य के साथ जमकर मारपीट की। ऋषभ सिंह ने पिस्टल की बट से आर्यन के साथ मारपीट की जिसमें वह लहू लोहान हो गया इसी दौरान हनी गोस्वामी पिस्तौल लेकर भाग गया। लसूडिया पुलिस ने आरोपी ऋषभ सिंह को गिरफ्तार कर लिया और उसके साथी हनी गोस्वामी की तलाश की जा रही है।

मानसिक तनाव के चलते युवक ने किया सुसाइड

इंदौर

देहात थाना क्षेत्र में एक युवक ने मानसिक तनाव के चलते घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मेंद्र पिता रामचंद्र 40 साल निवासी ग्राम राम बड़ोदिया नई आबादी ने अपने घर की छत पर लगे पंखे से फांसी लगा ली। पता चलते ही परिजनों ने उसे फंदे से उतरा और बड़े अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित किया। परिजनों ने बताया कि पिछले 6 महीने से वह मानसिक तनाव में चल रहा था। जिसका उपचार भी चल रहा था। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में कोई सुसाइड पत्र नहीं मिला है। बेटमा पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

इसी प्रकार हातोद थाना क्षेत्र में रहने वाले रमेश पिता हरि नारायण सूर्यवंशी 50 साल ने पारिवारिक विवाद के चलते जहर खा लिया जिसे परिजनों ने बड़े अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसकी हालात खतरे से बाहर है पुलिस मामले की जांच कर रही है। वही अहिर खेड़ी में रहने वाली सुनीता पति प्रहलाद पवार 48 साल ने बीमारी से परेशान होकर जहर खा लिया जिसे बड़े अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नन्हे गणितज्ञों का कमाल

बच्चों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बढ़ाया शहर का मान

देवास। शहर के कालानी बाग यूसीमास सेंटर के नन्हे विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए देवास शहर का नाम राज्य स्तर पर रोशन किया है। यूसीमास कालानी बाग की डायरेक्टर सोनल अग्रवाल ने बताया कि यूसीमास कोर्स के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 36 बच्चों ने 21वीं राज्य स्तरीय यूसीमास प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी अद्भुत मानसिक गणना क्षमता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता 1 मई 2026 को इंदौर में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में बच्चों को केवल 8 मिनट के भीतर गणित की 200 जटिल गणनाएँ हल करने का चुनौतीपूर्ण कार्य दिया गया। विशेष बात यह रही कि जिन सवालों को इतने कम समय में कैलकुलेटर की सहायता से हल करना भी कठिन माना जाता है।

कालिका माता मंदिर में मना स्थापना दिवस अभिषेक, आरती के साथ हुआ भंडारा

देवास

बालगढ़ स्थित प्राचीन कालिका माता मंदिर में मंदिर स्थापना के 34 वर्ष पूर्ण होने पर 8 मई को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठानों एवं पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। मंदिर के संरक्षक हरिनारायण अकोदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि परम ब्रह्मलीन संत श्री श्री 1008 बाबा बालकृष्ण ब्रह्मचारी के सानिध्य में 8 मई 1992 को मां कालिका की स्थापना की गई थी। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विद्वान पंडितों द्वारा माता रानी

का विधिवत अभिषेक एवं विशेष पूजन किया गया। इसके पश्चात महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें भक्तों ने श्रद्धाभाव से भाग लिया। समारोह के दौरान कन्याओं, ब्राह्मणों एवं श्रद्धालु भक्तों को भोजन प्रसादी वितरित की गई। मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा और श्रद्धालुओं ने मां कालिका के जयकारों के साथ आशीर्वाद प्राप्त किया। वार्ड पार्षद दीपक अकोदिया (राजा) ने बताया कि इस अवसर पर पंडित उमेश जी, अर्जुन चौधरी, अमित सोनगरा, बहादुरसिंह, बाबूलाल स्वाल, बंटी बाबा, जुबेर लाला, किशोर अकोदिया, घनश्याम अकोदिया, अरुण लोदवाल, लखन अकोदिया, बंटी अकोदिया, रोहित अकोदिया, कमलेश सेंधव, मनीष तिवारी, शरद चन्द्रावत, संतोष कुमावत, संदीप रामटेके, विनोद गुर्जर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। उक्त जानकारी हरिनारायण अकोदिया ने दी।

आयुक्त ने किया वार्ड 19 व 20 का औचक निरीक्षण

देवास। वार्ड 19 एवं 20 का आयुक्त दलीप कुमार ने औचक निरीक्षण किया। आईटीआई चौराहा पर फव्वारे को भी देखा तथा उसमे सुधार करने हेतु कहा। वहीं आईटीआई कालेज के पास पान की गुमटी व ठेले हटाने के साथ ही आयुक्त द्वारा शासकीय व अशासकीय स्कुलों के आसपास 2 सौ मीटर की दूरी पर तंबाकु आदि का विक्रय करने पर तंबाकु नियंत्रण अधिनियम 2003 (कोटपा) के अन्तर्गत चालानी कार्रवाई करने के निर्देश स्वच्छता निरीक्षक भूषण पवार को दिए तथा रोड स्वीपींग तथा खुले स्थानों पर कचरा पाये जाने पर दरोगा को सफाई करवाने हेतु कहा। वार्ड 19 में नाले पर दोनो ओर जाली लगाने के निर्देश दिए तथा वार्ड में स्थित गार्डन को भी देखा तथा आसपास पडे सीएनडी वेस्ट को हटाने हेतु कहा। स्वास्थ्य अधिकारी सौरभ त्रिपाठी को सर्वेक्षण के तहत सभी तैयारियों पर फोकस करने हेतु निर्देश दिए।

न्यूज ब्रीफ

प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया का नीमच दौरा कार्यक्रम

नीमच। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास तथा नीमच जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया आज 10 मई 2026 रविवार को मंदसौर से दोपहर 12.30 बजे प्रस्थान कर दोपहर 1.30 बजे नीमच आएगी। प्रभारी मंत्री नीमच में दोपहर 2.30 बजे कोर कमेटी की बैठक में शामिल होने के बाद शाम 4 बजे नीमच से झाबुआ के लिए प्रस्थान करेगी।

लापरवाही बरतने पर प्रगणक को किया निलंबित

देवास। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जनगणना 2027 मकान सूचीकरण जैसे अति महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में प्रगणक मेहरबान सिंह छावड़ी, प्रा.शि.प्रा.वि.रिछीखो द्वारा आज दिनांक तक भी मकान सूचीकरण के कार्य का प्रारंभ नहीं करने पर मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में मेहरबान सिंह छावड़ी, प्रा.शि.प्रा.वि रिछीखो का मुख्यालय तहसील कार्यालय खातेगांव रहेगा तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता होगी। कार्यवाही तहसीलदार एवं जनगणना चार्ज अधिकारी खातेगांव के प्रस्ताव के आधार पर की गई।

रैली केण्डल मार्च निकाल कर दिया स्वच्छता का संदेश

देवास। निगम की स्वच्छता की टीम के द्वारा शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बातावरण मिले तथा स्वछता बनी रहे इस हेतु निरंतर स्वच्छता के कार्यो के साथ साथ नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए निगम की टीम के द्वारा विभिन्न अयोजनों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दे रहे हैं। इसी कडी में निगम की स्वच्छता की टीम द्वारा 8 मई शुक्रवार को स्वच्छता का संदेश लेकर बडी संख्या मे मशाल रैली केण्डल मार्च जवाहार चौक से सयाजी द्वार तक निकाली गई। सभापति रवि जैन ने निगम की टीम के साथ आम नागरिक सिनियर सिटीजनों के साथ निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, जाकिर जाफरी, आरती खेडेकर, प्र.कार्यपालन यंत्री इंदुप्रभा भारती, कार्यालय अधिक्षक रणजीतसिंह पंजाबी, अरूण तोमर, शाहनवाज खान, खेल विभाग से जावेद पठान व निगम की स्वच्छता की टीम के साथ भाग लिया।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 11 नमूने लिए गए

रतलाम। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग रतलाम की टीम द्वारा जिले के शिवगढ़ एवं पिपलौदा क्षेत्र में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच हेतु सघन कार्रवाई की गई। शिवगढ़ में घर पर कुल्फी निर्माण कर विक्रय किए जाने की सूचना पर टीम ने ओम साईं मावा कुल्फी, रतलाम रोड शिवगढ़ का निरीक्षण किया। यहां से कुल्फी, चोकोबार कुल्फी एवं मिल्क पाउडर के कुल 3 नमूने जांच हेतु लिए गए। वहीं गंगा आइसक्रीम जूस सेंटर से लस्सी एवं आमरस के 2 नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान दोनों संस्थानों में साफ-सफाई नहीं पाई गई।

टूटते परिवार फिर हुए एक, नेशनल लोक अदालत में सुलझे विवाद

देवास

नेशनल लोक अदालत में शनिवार को कई पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद सुलझाए गए। कुटुंब न्यायालय में गहन काउंसलिंग और समझाइश के बाद अलगाव की कगार पर पहुंचे कई दंपत्तियों ने फिर से साथ रहने का फैसला लिया। बच्चों के भविष्य और परिवार को ध्यान में रखते हुए जोड़ों ने अपने मतभेद भुलाकर रिश्तों को नई शुरुआत दी। लोक अदालत में ऐसे कई दंपत्ति पहुंचे थे, जिनके बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। काउंसलिंग के दौरान न्यायालय ने दोनों पक्षों को समझाइश दी और रिश्तों को बचाने का प्रयास किया। कुछ मामलों में पतियों ने अपनी गलतियां स्वीकार करते हुए पत्नियों का सम्मान करने और जीवन भर साथ निभाने का वादा किया। कई दंपत्तियों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर और माला पहनाकर रिश्ते को नई शुरुआत दी। लोक अदालत में प्रेम

विवाह करने वाले ऐसे जोड़े भी पहुंचे थे, जिनके रिश्ते विवादों के कारण टूटने की स्थिति में पहुंच गए थे। घंटों चली काउंसलिंग के बाद उन्होंने भी साथ रहने का निर्णय लिया। कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश जितेंद्र सिंह कुशवाह (पीठासीन अधिकारी खंड क्रमांक-2) ने बताया कि न्यायालय का पहला प्रयास सुलह करवाना होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में न्यायाधीशों की भूमिका महत्वपूर्ण रहती है और इसमें वकीलों का भी सहयोग मिलता है। देवास की नम्रता प्रजापति ने बताया कि कॉलेज के दिनों में उन्होंने रविंद्र प्रजापति से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद धीरे-धीरे दोनों के रिश्ते में दूरियां बढने् लगीं। नम्रता ने कहा कि गर्भावस्था के कठिन समय में उन्हें पति का साथ और अपनापन नहीं मिला, जिससे वे नाराज होकर मायके चली गईं। दोनों अलग रहने लगे, लेकिन समय के साथ बच्ची की मासूम मुस्कान और उसके भविष्य की चिंता ने दोनों को फिर करीब ला दिया।

गायत्री स्व सहायता समूह से जुड़कर चेतना चौधरी बनी आत्मनिर्भर

मंदसौर। ग्राम दीपाखेड़ा निवासी चेतना चौधरी ने गायत्री स्व सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन को नई दिशा दी है। मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद उन्होंने न केवल आत्मनिर्भरता की राह पकड़ी, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बनाया। चेतना चौधरी बचपन से ही कुछ अलग और बेहतर करने का सपना देखती थीं। पढ़ाई के प्रति उनका विशेष लगाव था और वे अपने पैरों पर खड़े होकर अपनी अलग पहचान बनाना चाहती थीं। शादी के बाद संयुक्त परिवार की जिम्मेदारियों, घर के कार्यों और सामाजिक दायित्वों के बीच अपने सपनों को आगे बढ़ाना आसान नहीं था। कई बार परिस्थितियां कठिन हुईं, लेकिन उनके पति का सहयोग और विश्वास हमेशा उनकी सबसे बड़ी ताकत बना रहा।

निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित

38 मरीजों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

नीमच

शासकीय आयुर्वेद औषधालय पिपल्या जागीर (आयुष) द्वारा शनिवार को ग्राम उचेड़ के आंगनवाड़ी केंद्र में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में दी गई सेवाएं- शिविर में आमवात, संधिवात, त्वचा रोग, उदर रोग, विबंध, श्वास, कास, प्रतिश्याय, रक्त अल्पता, उच्च रक्तचाप, अर्श, अम्लपित्त, प्रमेह आदि रोगों की जांच कर रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया।

साथ ही बीपी की निःशुल्क जांच भी की गई।

जागरूकता एवं परामर्श- इसके अतिरिक्त मौसमी बीमारियों से बचाव, तनाव मुक्ति, नशामुक्ति एवं स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के बारे में आवश्यक परामर्श प्रदान किया

गया।

लाभान्वित मरीज- शिविर में कुल 38 मरीजोंने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

उपस्थित गणमान्य-इस अवसर पर पंचायत सचिव, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.आबिद खान, कम्पाउन्डर गोपाल कृष्ण गंधर्व, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा, सहायिका एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर छात्राओं में उत्साह, सहायता केन्द्र बना मार्गदर्शक

देवास

उच्च शिक्षा विभाग, मप्र शासन के आदेशानुसार सत्र 2026-27 हेतु प्रवेश प्रक्रिया दिनांक 1 मई 2026 से समस्त महाविद्यालयों में प्रारम्भ हो चुकी है। जिले का एकमात्र कन्या महाविद्यालय महारानी पुष्पमाला राजे पवार शासकीय कन्या महाविद्यालय छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा का प्रमुख केन्द्र बनकर उभर रहा है, जहाँ बी.ए., बी.कॉम, बी.एससी, एम.ए., एम.कॉम., एवं एम.एससी. पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं छात्रहितैषी बनाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में विशेष प्रवेश सहायता केन्द्र स्थापित किया गया है। इस केन्द्र के माध्यम से स्नातक एवं स्नातकोत्तर में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को पंजीयन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, ऑनलाइन प्रवेश, समय-सारणी अनुसार प्रवेश प्रक्रिया, मेजर-माइनर एवं बहुसंकाय विषय चयन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी काउंसलिंग टीम द्वारा सक्रिय रूप से प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही छात्राओं को ई-प्रवेश मोबाइल एप डाउनलोड कराने एवं अन्य तकनीकी समस्याओं के निराकरण में भी सहायता केन्द्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छात्राओं को प्रवेश के प्रति प्रेरित करने तथा महाविद्यालय के प्रति आकर्षण बढ़ाने हेतु परिसर में आकर्षक प्रवेश सेल्फी पॉइंट भी स्थापित किया गया है, जो छात्राओं के बीच विशेष आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य डॉ. जी.डी. सोनी के मार्गदर्शन में समस्त व्यवस्थाएँ सुव्यवस्थित रूप से संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में प्रवेश सहायता केन्द्र का निरीक्षण डॉ. एच.एल. अनिजवाल द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रवेश सहायता केन्द्र की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए महाविद्यालय द्वारा छात्रहित में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

पेप्सी उधार न देने पर पेट्रोल फेंककर लगाई आग, गंभीर रूप से झुलसे

देवास

ग्राम तालोद स्थित एक किराना स्टोर में गुरुवार शाम करीब 6 बजे तीन आरोपियों ने पेट्रोल फेंककर आग लगा दी। इस घटना में दुकानदार फूलसिंह सिसोदिया और उनका भतीजा गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस ने फरियादी के बयान पर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, फरियादी फूलसिंह सिसोदिया (41) लल्ला किराना स्टोर्स चलाते हैं। गुरुवार को दिन में करीब 4 बजे आरोपी गोविंद का भांजा दुकान पर 5 रुपए की पेप्सी उधार लेने आया था। फूलसिंह ने उसे अपने मामा को भेजने के लिए कहा, जिसके बाद वह चला गया। शाम करीब 6 बजे गोविंद पिता फूलसिंह टकवाणा अपने दोस्त कृष्णपाल इंदरसिंह गोयल और आदर्श सोभालसिंह सेंधव के साथ दुकान पर पहुंचा। उन्होंने फूलसिंह को गालियां देते हुए कहा, साले तू मुझे नहीं पहचानता। गोविंद ने पेट्रोल से भरी पॉलिथीन फूलसिंह पर फेंक दी, जो काउंटर पर गिरी और फैल गई।

राजीव नगर में पुराने चैंबर तोड़कर दीवार निर्माण का आरोप

भाजपा नगर मंत्री ने नगर निगम में शिकायत की

देवास

वार्ड क्रमांक 13 स्थित बीमा हॉस्पिटल के पीछे राजीव नगर क्षेत्र में एक कॉलोनाइजर द्वारा नगर निगम के अधीनस्थ पुराने चैंबरों को तोड़कर दीवार निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है। क्षेत्रवासियों ने इस कार्य को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।

भारतीय जनता पार्टी के नगर मंत्री केशव सोनी ने इस संबंध में नगर निगम आयुक्त एवं महापौर गीता अग्रवाल को शिकायत प्रस्तुत कर पूरे मामले से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि कॉलोनाइजर द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य से क्षेत्र की व्यवस्था प्रभावित हो रही है तथा नगर निगम की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। केशव सोनी ने प्रशासन से मांग की कि मामले की तत्काल जांच कर संबंधित कॉलोनाइजर के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा क्षेत्रवासियों की समस्या का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। स्थानीय नागरिकों ने भी प्रशासन से हस्तक्षेप कर समस्या के समाधान की मांग की है।

नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित कुल 656 प्रकरणों का हुआ निराकरण

मंदसौर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा प्रसारित निर्देशानुसार व माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर अनीष कुमार मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 9 मई, 2026, शनिवा को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय मंदसौर एवं तहसील न्यायालय गरोठ, भानपुरा, नारायणगढ़, सीतामऊ में किया गया।

आजीविका मिशन से बदली खानखेड़ी की तस्वीर

राधा बैरागी बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

नीमच

खानखेडी में म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रयासों से नीमच जिले से करीब 70 किमी दूर मनासा विकासखण्ड के ग्राम खानखेड़ी की महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है।

वर्ष 2018 में मिशन द्वारा महिलाओं को घर से बाहर निकालकर समूह में संगठित करने की मुहिम शुरू की गई थी, जिसका परिणाम आज ग्राम में 24 महिला स्वयं सहायता समूहों के रूप में सामने है।

राधा बैरागी बनीं प्रेरणास्त्रोत- ग्राम पंचायत खानखेड़ी के राधे राधे स्व सहायता समूह की सदस्य श्रीमती राधा बैरागी ने समूह एवं बैंक से ऋण लेकर मनिहारी की दुकान प्रारंभ की। वर्ष 2023 में उन्होंने स्वयं की साड़ी की दुकान एवं जनरल स्टोर शुरू किया, जिससे उन्हें प्रतिदिन 540

24 महिला समूह गठित, राधा बैरागी ने साड़ी दुकान व जनरल स्टोर से प्रतिदिन 540 की आय अर्जित की

रूपये की आय हो रही है। कृषि कार्य में भी परिवारजन उनका सहयोग करते हैं। अन्य महिलाओं को कर रहीं प्रेरित- राधा बैरागी पढ़ी-लिखी महिलाओं को घर से बाहर आकर अपने पैरों पर खड़ा होने एवं आजीविका गतिविधि शुरू करने हेतु प्रेरित कर रही हैं।

समूह को मिला वित्तीय सहयोग- राधा बैरागी के समूह के सदस्यों ने रिवॉल्विंग फंड से ?20 हजार सीआईएफ से एक लाख रूपये एवं 6 लाख रूपये एवं स्वयं की बचत राशि का उपयोग, कृषि कार्य, किराना दुकान, पशुपालन जैसी आय अर्जन गतिविधियों में किया है।

परिणाम- ग्राम खानखेड़ी में 2018 से पूर्व कोई स्वयं सहायता समूह नहीं था। आज संगठनात्मक पहल से महिलाओं के साथ-साथ ग्राम में सुविधाओं का भी विस्तार हुआ है। आजीविका मिशन से जुड़कर महिलाएं सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सक्षम होने की दिशा में तेजी से बढ़ रही हैं।

स्टेट फेंसिंग कैडेट ट्रायल 2026 के लिए

तय्यबा, तहमीना, आश्मि, साराह, आयुषी, तनुश्री और आह्लि चयनित

राष्ट्रीय हिंदी मेल, देवास

भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम में आयोजित होने वाले स्टेट फेंसिंग कैडेट ट्रायल 2026 के लिए इंदौर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में तय्यबा अली, तहमीना कुरेशी, आश्मि चौहान, साराह फारूकी, आयुषी बोरासी, तनुश्री हार्डिया और आहिल अहमद खान शामिल हैं। सेबर इवेंट में तय्यबा अली और तहमीना कुरेशी का चयन हुआ है। फॉयल इवेंट में आश्मि चौहान और साराह फारूकी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

वहीं ईपी इवेंट में आयुषी बोरासी और तनुश्री हार्डिया को मौका मिला है। बालक वर्ग फॉयल इवेंट में आहिल अहमद

खान का चयन हुआ है। ये सभी खिलाड़ी विभिन्न विद्यालयों और अकादमियों का प्रतिनिधित्व करते हुए स्टेट ट्रायल में हिस्सा लेंगे और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। सभी खिलाड़ी सेल्फ डिफेंस एक्सपर्ट एवं फेंसिंग कोच मास्टर सईद आलम के मार्गदर्शन में लगातार प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

इस अवसर पर सेल्फ डिफेंस एक्सपर्ट एवं फेंसिंग कोच मास्टर सईद आलम ने कहा, फेंसिंग केवल एक खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और मानसिक मजबूती का माध्यम है।

हमारे खिलाड़ी निरंतर मेहनत कर रहे हैं और मुझे विश्वास है कि वे राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर आगे राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेंगे। खेल के माध्यम से युवा न केवल अपनी पहचान बना सकते हैं, बल्कि आत्मरक्षा और व्यक्तित्व विकास में भी आगे बढ़ सकते हैं। खिलाड़ियों के चयन पर उनके परिवारजनों, विद्यालय प्रबंधन और मनीष आर्य, विकास शर्मा, याकुब मेमन, अनफाल अंसारी, जहांगीर खान, शिनम खान अब्दुल राशिद और सुमित्रा चंद्रवंशी ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

फटाफट खबरें

हाई वोल्टेज तार बस पर गिरा, 4 लोग झुलसे

पलामू (ईएमएस)। जिले के पांकी थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां बारात लेकर जा रही एक बस हाई वोल्टेज बिजली तार की चपेट में आ गई। इस घटना में बस की छत पर बैठे चार बाराती गंभीर रूप से झुलस गए। हादसा गढ़गांव पुलिया के समीप तब हुआ जब बस पाटन के मालगाड़ा से चतरा के लावालौंग जा रही थी। बिजली के तार के संपर्क में आते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों की पहचान प्रमोद कुमार यादव, राजेश कुमार, रंजन कुमार यादव और बिनोद कुमार यादव के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी को तुरंत पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या का यूपी कनेक्शन

संभल (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के चर्चित चंद्रनाथ रथ हत्याकांड की जांच के तार अब उत्तर प्रदेश से जुड़ते नजर आ रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) की हत्या के मामले में आरोपियों की तलाश करते हुए पश्चिम बंगाल पुलिस की एक विशेष टीम देर रात बदायूं पहुंची। इस हाई-प्रोफाइल मामले में तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यूपी में दबिश देने की तैयारी की जा रही है। जांच एजेंसियों को मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल के जरिए कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जो संभल जिले के गुन्नौर क्षेत्र की ओर इशारा कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह रही कि पश्चिम बंगाल पुलिस की टीम तकनीकी इनपुट के आधार पर सीधे बदायूं पहुंच गई। दरअसल, गुन्नौर क्षेत्र पहले बदायूं जिले का ही हिस्सा था, जो बाद में नए गठित संभल जिले में शामिल कर दिया गया।

भाजपा नगर महामंत्री पर जानलेवा हमला

मथुरा (ईएमएस)। वृंदावन में भाजपा नगर महामंत्री प्रमेंद्र गोस्वामी उर्फ पम्मी पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने सात हमलावरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। कल देर रात हुए इस हमले में भाजपा नेता गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनका वर्तमान में अस्पताल में इलाज चल रहा है। चिकित्सकों ने सफल ऑपरेशन कर उनके सीने से 32 बोर की गोली निकाल दी है। डॉक्टरों के अनुसार, फिलहाल वह खतरे से बाहर हैं, हालांकि पुलिस अधिकारियों ने उनके होश में आने पर प्रारंभिक बयान दर्ज कर लिए हैं। घटना उस समय हुई जब प्रमेंद्र गोस्वामी पानीगांव स्थित एक कार्यालय से अपनी स्कूटी पर सवार होकर घर लौट रहे थे। नए पुल के पास करीब आधा दर्जन मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने उन्हें घेर लिया और गाली-गलौज व मारपीट के बाद अत्यंत करीब से सीने में गोली मार दी।

सनसनी फैलाने की इजाजत नहीं दी जजों ने

नई दिल्ली(ईएमएस)। अनिल अंबानी से जुड़े कथित बैंक ऋण घोटाले मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गिरफ्तारी की मांग किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी का आदेश देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा, वह इस मामले में 'अनावश्यक सनसनी' फैलाने की अनुमति नहीं देगें। कोर्ट ने यह भी कहा,जांच कानून के दायरे में और तथ्यों के आधार पर आगे बढ़नी चाहिए। इस मामले में सीबीआई ने बैंक ऋण अनियमितताओं और वित्तीय लेन-देन से जुड़े आरोपों का हवाला देकर गिरफ्तारी की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल अनिल अंबानी को राहत मिली है। मामले की आगे की सुनवाई जारी रहेगी।

यमराज से भिड़ा पिता : ट्रेन के नीचे फंसे मासूम की जान बचाई

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश के ब्राह्मणबरिया स्टेशन पर एक पिता ने अपनी जान जोखिम में डालकर अपने बच्चे को चलती ट्रेन के नीचे से सुरक्षित बाहर निकाला। यह घटना मानवीय साहस और सूझबूझ का अद्भुत उदाहरण बन गई है, एक छोटी सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती थी। यह खौफनाक वाकया तब हुआ जब 'तितस कम्यूटर' ट्रेन, जो अपने निर्धारित समय से करीब डेढ़ घंटा देरी से चल रही थी, स्टेशन से आगे बढ़ने लगी। परिवार इस ट्रेन से सफर कर रहा था।

साल में केवल 30 बार प्रवेश की अनुमति और डिजिटल निगरानी शुरू

नेपाल के नए नियम बन रहे परेशानी का सबब

भारतीय वाहनों के लिए बेहद सख्त नियम

काठमांडू,(ईएमएस)। भारत-नेपाल सीमा पर आवाजाही करने वाले निजी और पर्यटक वाहनों के लिए अब नियम बेहद सख्त हो गए हैं। नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद सीमा प्रबंधन को लेकर बड़े बदलाव किए गए हैं, जिसका सीधा असर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों और पर्यटकों पर पड़ने वाला है। नई व्यवस्था के अनुसार, अब भारतीय निजी वाहन और पर्यटक गाड़ियां एक साल में केवल 30 बार ही भंसार (सीमा शुल्क) जमा कर नेपाल की सीमा में प्रवेश कर सकेंगी। यदि कोई वाहन 30 बार की निर्धारित सीमा से अधिक बार प्रवेश करता है, तो उसे न केवल भंसार देना होगा, बल्कि भारी जुर्माना भी भुगतना पड़ेगा।

इस नई प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए नेपाल सरकार ने अब भंसार की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल कर दिया है। सीमा चौकियों पर अब क्यूआर कोड के जरिए भंसार शुल्क जमा किया जा रहा है। इस डिजिटल व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य वाहनों का ऑनलाइन रिकॉर्ड रखना है, जिससे यह आसानी से पता चल सके कि कौन सा वाहन कितनी बार सीमा पार कर चुका है। पहले यह रिकॉर्ड मैनुअल होता था, जिससे निगरानी में कठिनाई आती थी, लेकिन अब ऑनलाइन डाटा उपलब्ध होने से 30 बार की सीमा पार करने वाली गाड़ियों की पहचान तुरंत हो जाएगी। सिर्फ प्रवेश की संख्या ही नहीं, बल्कि रुकने की अवधि पर भी पाबंदी लगाई गई है। भारतीय वाहन एक साल में कुल मिलाकर अधिकतम 30 दिन ही नेपाल में रुक सकते हैं।

कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने की अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस से मुलाकात...

वाशिंगटन,(ईएमएस)। कतर के पीएम और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल-थानी ने वाशिंगटन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात की। यह बातचीत रणनीतिक संबंधों और क्षेत्रीय तनावों पर केंद्रित थी। आधिकारिक बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने कतर और अमेरिका के बीच करीबी रणनीतिक सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि बैठक में क्षेत्रीय मुद्दे अहम थे। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में हुए नए डेवलपमेंट्स की समीक्षा की। उन्होंने पाकिस्तानी मध्यस्थता की कोशिशों पर भी चर्चा की, जिनका मकसद तनाव को कम करना है जिससे क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता बढ़े। अल-थानी ने डिप्लोमेसी के लिए ज्यादा समर्थन की अपील की।

रूस-यूक्रेन युद्ध में तीन दिवसीय युद्धविराम की घोषणा.....

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच तीन दिवसीय युद्धविराम की घोषणा की है। उन्होंने इसे लंबे समय से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। यह युद्धविराम 11 मई तक लागू रहेगा। ट्रंप ने एक बयान मंर कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में 9, 10 और 11 मई को तीन दिन का युद्धविराम रहेगा। उन्होंने बताया कि यह युद्धविराम रूस के 'विक्ट्री डे' समारोह के दौरान होगा। ट्रंप ने इस बात पर भी जोर दिया कि दूसरे विश्व युद्ध में यूक्रेन की भी बड़ी भूमिका थी, जिससे यह युद्धविराम दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा, रूस में विक्ट्री डे मनाया जाता है, यूक्रेन का भी इसमें बड़ा योगदान रहा था, इसलिए यह उनके लिए भी महत्वपूर्ण है। ट्रंप के अनुसार, इस समझौते के तहत दोनों देशों के बीच सभी सैन्य कार्रवाई कुछ समय के लिए रोक दी जाएगी, जिसमें लड़ाई और हमले भी शामिल हैं।

तमिलनाडु: विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोपों से गरमाई सियासत

समर्थन के कथित फर्जी लेटर ने मचाई उथल-पुथल

चैन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु की राजनीति इस समय एक बेहद रोचक और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) सत्ता की दहलीज पर तो खड़ी है, लेकिन बहुमत के जादुई आंकड़े से अब भी दूर नजर आ रही है। विपक्षी दलों के दांव-पेंच और कानूनी उलझनों ने सरकार गठन की राह को कांटों भरा बना दिया है। एक ओर जहां राज्यपाल ने टीवीके के बहुमत के दावे को फिलहाल हरी झंडी नहीं दी है, वहीं दूसरी ओर एएमएमके और टीवीके के बीच समर्थन के कथित फर्जी पत्र को लेकर तीखी सियासी जंग शुरू हो गई है। तमिलनाडु विधानसभा में सरकार बनाने के लिए 118 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता है। विजय की पार्टी टीवीके के पास वर्तमान में 107 विधायक हैं। चूंकि विजय ने खुद दो सीटों से चुनाव जीता है, इसलिए एक सीट खाली होने के कारण प्रभावी संख्या 107 रह गई है और अब बहुमत का आंकड़ा भी तकनीकी रूप से 117 माना जा रहा है। कांग्रेस के 5 और वामपंथी दलों के 4 विधायकों के बाहरी समर्थन के बावजूद विजय का आंकड़ा 116 तक ही पहुंच पाया है। महज एक या दो विधायक की इस कमी ने ही पूरे राज्य की राजनीति में भूचाल ला दिया है।

जयशंकर ने लैपटॉप के साथ साझा किया भविष्य का रोडमैप

भारत और त्रिनिदाद-टोबैगो के बीच मजबूत हुए संबंध

पोर्ट ऑफ स्पैन,(ईएमएस)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अपने आधिकारिक दौरे के अंतिम पड़ाव के दौरान त्रिनिदाद और टोबैगो में उच्च-स्तरीय बैठकों के माध्यम से द्विपक्षीय सहयोग और सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जमैका और सूरीनाम की सफल यात्रा के बाद पहुंचे जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो में निवेश, तकनीक और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया। शनिवार को पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचने पर विदेश मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर से मुलाकात कर द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले वर्ष के वादे को पूरा करते हुए एक विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां स्कूली बच्चों को 'मेड इन इंडिया' लैपटॉप वितरित किए गए।

पाक को आईएमएफ से 1.21 अरब डॉलर का कर्ज मंजूर

नई दिल्ली(ईएमएस)। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के लिए 1.21 अरब डॉलर (लगभग 11 हजार करोड़ रुपये) के नए कर्ज को मंजूरी दे दी है। यह राशि नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण राहत मानी जा रही है, हालांकि इसे पाने के लिए देश को कठोर आर्थिक सुधारों और अपनी जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ाना पड़ा। यह कर्ज अगले सप्ताह की शुरुआत में मिलने की उम्मीद है। यह कर्ज दो अलग-अलग वित्तपोषण व्यवस्थाओं के तहत मंजूर किया गया है। आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी के तहत लगभग 1 अरब डॉलर और रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी के तहत लगभग 21 करोड़ डॉलर देने पर सहमति जताई है।

उत्तर प्रदेश में तीसरे और देश में सातवें परिसर में 700 से अधिक कर्मचारी करेंगे काम

एडोब ने नोएडा में खोला नया एआई केंद्रित कार्यालय

नई दिल्ली (ईएमएस)।

अमेरिकी सॉफ्टवेयर दिग्गज एडोब ने हाल ही में नोएडा में अपने अत्याधुनिक नया कार्यालय खोल लिया है जो भारत में कंपनी के विस्तार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित नवाचार पर उसके बढ़ते जोर को दर्शाता है। यह भारत में एडोब का सातवां और उत्तर प्रदेश में तीसरा परिसर है, जो वर्तमान में 700 से अधिक इंजीनियरिंग और ग्राहक सेवा विशेषज्ञों को समायोजित कर रहा है। नोएडा के सेक्टर 129 में स्थित यह नया कार्यालय एडोब की भारत में रणनीतिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कंपनी का लक्ष्य एआई-आधारित नवाचार को बढ़ावा देना और वैश्विक रचनात्मकता को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। एडोब इंडिया के कंट्री मैनेजर और डॉक्यूमेंट क्लाउड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अभिज्ञान मोदी ने कहा कि यह उद्घाटन एआई और एजेंटिक तकनीकों की ओर बढ़ रही दुनिया में भारत से नवाचार को गति देने की हमारी रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परिसर को आधुनिक तकनीक और सहयोगी कार्यस्थलों के साथ डिजाइन किया गया है, ताकि एआई युग में टीमवर्क और कर्मचारियों की भागीदारी को बढ़ावा मिल सके। एडोब इंडिया की एम्प्लॉई एक्सपीरियंस हेड स्वाति रुस्तगी ने बताया कि यह कार्यालय तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में टीमों को अधिक प्रभावी ढंग से साथ काम करने में सक्षम बनाएगा। इसके अतिरिक्त, यह आईजीबीसी-प्लेटिनम प्रमाणित है, जो पर्यावरण के अनुकूल निर्माण और ऊर्जा-बचत प्रणालियों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एडोब ने 1997 में एक इंजीनियरिंग अनुसंधान और विकास केंद्र के रूप में भारत में अपनी यात्रा शुरू की थी। तब से कंपनी ने देश में अभूतपूर्व विस्तार किया है। वर्तमान में, एडोब भारत में 8,000 से अधिक लोगों को रोजगार देती है, जिससे यह अमेरिका के बाहर उसका सबसे बड़ा कार्यबल केंद्र बन गया है। कंपनी के वैश्विक नवाचार में भारत की हिस्सेदारी एक-तिहाई से भी अधिक है। प्रतिभा विकास के लिए भी एडोब सक्रिय रूप से काम कर रही है। इसी साल कंपनी ने भारत के मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों के छात्रों को फायरफ्लाई, फोटोशॉप और एक्रोबैट जैसे प्रमुख एआई-टूल्स मुफ्त उपलब्ध कराने की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य भविष्य के लिए एक एआई-रेडी कार्यबल तैयार करना है।

पटना में तेज आंधी बारिश से 9 की मौत

» सैकड़ों पेड़ गिरे, 20 जिलों में अलर्ट जारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बिहार में पिछले 10 दिनों से तेज आंधी और बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को पटना में 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी और भारी बारिश ने तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा में पेड़ गिरने और ठनका गिरने से राज्यभर में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें सबसे अधिक 4 मौतें पटना में हुईं। 30 मिनट की बारिश और तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। पटना में 200 से ज्यादा जबकि जिलेभर में 600 से ज्यादा पेड़ गिर गए। तेज आंधी के कारण 50 से ज्यादा वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। सड़कों पर पेड़ और होर्डिंग गिरने से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई।

आकाशीय बिजली गिरने की भी जताई आशंका

हालात ऐसे थे कि दो किलोमीटर की दूरी तय करने में लोगों को डेढ़ घंटे का समय लगा। देर रात तक शहर के कई इलाकों में जाम की स्थिति बनी रही। जाम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी फंस गए, जिसके बाद उन्हें कार छोड़कर बाइक से जाना पड़ा। मौसम विभाग ने शनिवार को पटना समेत 20 जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक 11 मई तक राज्य में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। इसके बाद मौसम सामान्य होने की संभावना है। चिड़ियाघर में आंधी-पानी के दौरान 30 से अधिक पेड़ गिरे हैं।

रवींद्रनाथ टैगोर जयंती : देश ने दी गुरुदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि

पीएम मोदी और दिग्गजों ने किया नमन

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बंगाली कैलेंडर के अनुसार 'पोचिशे बोइशाख' के पावन अवसर पर देशभर में महान कवि, दार्शनिक और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के शीर्ष नेतृत्व ने गुरुदेव के योगदान को याद करते हुए उन्हें भारतीय सभ्यता की अमर आवाज बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से गुरुदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि टैगोर ने भारतीय समाज को नई सोच, रचनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक आत्मविश्वास प्रदान किया। उन्होंने टैगोर को एक असाधारण लेखक, चिंतक और शिक्षाविद बताते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में मानवता की गहरी संवेदनाएं और भारतीय संस्कृति के श्रेष्ठ आदर्श समाहित हैं। प्रधानमंत्री के अनुसार, गुरुदेव के विचार आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के मन को आलोकित करते रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी गुरुदेव को नमन करते हुए उनके योगदान को रेखांकित किया।

इंडोनेशिया के ऊर्जा-खनिज संसाधन मंत्रालय की भूवैज्ञानिक एजेंसी बदन जियोलॉजी द्वारा जारी की गई इस तस्वीर में, माउंट डुकोनो ज्वालामुखी को इंडोनेशिया के उत्तरी हमाहेरा क्षेत्र में हुए एक विस्फोट के दौरान ज्वालामुखी सामग्री उगलते हुए देखा जा सकता है। -फोटो-ईएमएस

ईरान के तेल हब पर हुआ रिसाव, युद्ध और ऊर्जा संकट के बीच बढ़ी चिंता

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान के सबसे बड़े तेल हब, खर्ग आइलैंड के पास समुद्र में एक बड़ा तेल रिसाव देखने को मिला है। इस डराने वाली घटना ने मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध और वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। सैटेलाइट तस्वीरों में सामने आए इस विशाल रिसाव ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या यह कोई हादसा है या मौजूदा क्षेत्रीय संघर्ष का एक अप्रत्याशित परिणाम। यूरोप के एक सैटेलाइट सिस्टम से 6 से 8 मई के बीच ली गई तस्वीरों में खर्ग आइलैंड के पश्चिमी हिस्से में समुद्र पर तेल का एक बड़ा धब्बा साफ दिखाई दिया। समुद्र में तेल का रिसाव पर्यावरण के लिए बेहद खतरनाक होता है।

अविवाहित रहने का संकल्प लेने वाले शुभेंदु कैसे पहुंचे सीएम की कुर्सी तक?

कोलकाता(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में आज शनिवार को एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और 'जायंट किलर' के रूप में अपनी पहचान बना चुके शुभेंदु अधिकारी वर्ष 2021 और 2026 के विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी को कड़ी शिकस्त देने के बाद शुभेंदु का कद राजनीति में और भी ऊंचा हो गया है। आज जब वे सत्ता के शीर्ष पर पहुँच रहे हैं, तो उनके राजनीतिक कौशल के साथ-साथ उनके निजी जीवन और 'अविवाहित' रहने के उनके फैसले की भी खूब चर्चा हो रही है।

55 वर्षीय शुभेंदु अधिकारी के अविवाहित रहने को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। करीब छह साल पहले हल्दिया में एक जनसभा के दौरान उन्होंने खुद इस राज से पर्दा उठाया था। शुभेंदु ने सार्वजनिक मंच से कहा था कि लोग अक्सर उनके भाइयों के विवाहित होने और उनके अकेले रहने पर सवाल करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे आज के दौर के पारंपरिक राजनेताओं की तरह नहीं हैं। उनके लिए पूरा बंगाली समाज ही उनका परिवार है। शुभेंदु ने बताया कि वे महान स्वतंत्रता सेनानियों सतीश सामंता, सुशील धारा और अजय मुखर्जी के आदर्शों पर चलते हैं, जो आजीवन अविवाहित रहे और अपना पूरा जीवन समाज सेवा में झोंक दिया। शुभेंदु के इस फैसले पर उनके पिता और वरिष्ठ नेता शिशिर अधिकारी शुरुआत में काफी नाराज थे।

विधानसभा चुनाव नतीजों के शुरुआती रुझानों ने दिया सहारा

कच्चे तेल और भू-राजनीति ने तय की शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर की सवारी जैसा रहा। वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाओं, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और घरेलू चुनावी रुझानों ने बाजार की दिशा तय की। शुरुआती उत्साह, मध्य-सप्ताह की जोरदार तेजी और फिर अंत में मुनाफ़ावसूली तथा बढ़ते तनाव के चलते आई गिरावट के बावजूद, प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने सप्ताह का समापन मामूली बढ़त के साथ किया, जो निवेशकों की सतर्कता और लचीलेपन दोनों को दर्शाता है। तेल और चुनावी रुझानों का असर सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में शानदार शुरुआत देखने को मिली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी और अमेरिका-ईरान तनाव में कमी के शुरुआती संकेतों ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। इसके साथ ही पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों के शुरुआती रुझानों से मिले सकारात्मक संकेतों ने बाजार को और गति दी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 800 अंकों से अधिक उछल गया और निफ्टी 24,240 के स्तर को पार कर गया। दिन के अंत में हालांकि आईटी और बैंक शेयरों में कुछ गिरावट दर्ज हुई, पर बाजार हरे निशान में बंद हुआ, जहां सेंसेक्स 355.90 अंक बढ़कर 77,269.40 पर और निफ्टी 121.75 अंक चढ़कर 24,119.30 पर पहुंच गया। दूसरे दिन मुनाफावसूली और सतर्कता का रुख सोमवार की तेजी के बाद मंगलवार को बाजार में कमजोरी का रुख रहा। शुरुआती कारोबार में ही भारी मुनाफावसूली हावी रही,

जिससे निवेशक सतर्कतापूर्ण रुख अपनाते दिखे। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 361.62 अंक गिरकर 76,907.78 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 134.90 अंकों की गिरावट के साथ 23,980.60 पर पहुंच गया। दिन का कारोबार खत्म होने पर, सेंसेक्स 251.61 अंक गिरकर 77,017.79 पर और निफ्टी 86.50 अंक गिरकर 24,032.80 पर बंद हुआ। वैश्विक संकेतों से मिली ताकत बुधवार का दिन निवेशकों के लिए बेहद शानदार साबित हुआ। वैश्विक मोर्चे पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और भू-राजनीतिक तनाव के जल्द सुलझने की उम्मीदों ने बाजार की धारणा को काफी मजबूत किया। निवेशकों की भारी खरीदारी के दम पर, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 657.22 अंक उछलकर 77,675.01 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 218 अंकों की मजबूत रैली के साथ 24,250.85 पर कारोबार करता नजर आया। दिन के अंत में यह तेजी और बढ़ गई और सेंसेक्स 940.73 अंक बढ़कर 77,958.52 पर तथा निफ्टी 298.15 अंक बढ़कर 24,330.95 पर पहुंच गया, जो सप्ताह की सबसे बड़ी एक दिवसीय बढ़त थी। सप्ताह के अंत में फिर भू-राजनीतिक तनाव और बिकवाली का दबाव गुरुवार को बाजार ने सपाट शुरुआत की, हालांकि शुरुआती बढ़त के बाद बिकवाली के दबाव से नरमी दिखी। विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण दिन भर उतार-चढ़ाव बना रहा और अंततः सेंसेक्स 114.00 अंक गिरकर 77,844.52 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी लगभग सपाट 4.30 अंक टूटकर 24,326.65 पर रहा। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय इक्विटी बाजार पर मध्य-पूर्व से जुड़ी नई भू-राजनीतिक चिंताओं का गहरा असर पड़ा। पश्चिम एशिया में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुए सैन्य तनाव ने वैश्विक निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया।

चेन्नई और लखनऊ के बीच करो या मरो की जंग

प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी सीएसके

नई दिल्ली (ईएमएस)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 अब अपने बेहद रोमांचक और निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। ऐसे में हर मुकाबला टीमों के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। रविवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि टीम को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अंक तालिका में फिलहाल छठे स्थान पर मौजूद चेन्नई की टीम अब कोई गलती करने के मूड में नहीं है। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति और भी खराब है। टीम अंक तालिका में सबसे नीचे चल रही है और उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन इस सीजन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम घरेलू और विदेशी दोनों मैदानों पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में सफल नहीं हो सकी। हालांकि चेपॉक में वापसी के बाद टीम को फिर से लय हासिल करने की उम्मीद है। बल्लेबाजी विभाग में काफी हद तक संजू सैमसन ने जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने कई मुकाबलों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की शानदार पारी खेली थी। वहीं कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी फॉर्म हासिल करने की कोशिश में जुटे हैं। मई की शुरुआत में उन्होंने लगातार दो अर्धशतक लगाकर वापसी के संकेत दिए थे। अब टीम को उनसे एक बड़ी कप्तानी पारी की उम्मीद रहेगी।

मध्यक्रम में डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, कार्तिक शर्मा और जेमी ओवरटन की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण रहने वाली है। वहीं महेंद्र सिंह धोनी की फिटनेस अब भी चर्चा का विषय बनी हुई है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले लगी पिंडली की चोट के कारण वह अब तक एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए हैं। हालांकि उन्होंने नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है, लेकिन अंतिम एकादश में उनकी वापसी को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। धोनी की गैरमौजूदगी ने टीम के अनुभव और फिनिशिंग क्षमता को प्रभावित किया है।

दूसरी तरफ लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए यह सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने 10 मुकाबलों में सिर्फ तीन जीत दर्ज की है। कप्तान ऋषभ पंत का बल्ला भी इस सीजन खामोश रहा है। हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उन्होंने तूफानी पारी खेली थी, लेकिन निरंतरता की कमी साफ नजर आई। पिछले मुकाबले में मिचेल मार्श ने 56 गेंदों में 111 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई थी। अब लखनऊ की टीम उसी आत्मविश्वास के साथ चेन्नई को चुनौती देने उतरेगी। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद और दिग्वेश राठी पर टीम की बड़ी जिम्मेदारी रहने वाली है।

कनिका का डरावना खुलासा

टीवी धारावाहिक 'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री कनिका मान ने हाल ही में अपने बचपन से जुड़ी एक बेहद दर्दनाक घटना साझा की है। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने बताया कि चौथी कक्षा में पढ़ते समय उन्हें अपने ही एक रिश्तेदार की गलत हरकतों का सामना करना पड़ा था। इस घटना ने उनके मन पर इतना गहरा असर डाला कि वह लंबे समय तक मानसिक रूप से असुरक्षित महसूस करती रहीं। कनिका ने बताया कि कम उम्र होने के कारण उन्हें रिश्तों की गंभीरता और शारीरिक सीमाओं की पूरी समझ नहीं थी, लेकिन मन में एक अनजाना डर और घबराहट लगातार बनी रहती थी। उन्हें यह भय सताने लगा था कि कहीं वह गर्भवती न हो जाएं, और इसी डर के कारण उन्होंने घर की महिलाओं से सुनी बात पर यकीन कर पपीता खाना शुरू कर दिया था, क्योंकि उन्हें लगता था कि इससे गर्भपात हो सकता है। यह घटना छुट्टियों के दौरान रिश्तेदारों के घर जाने पर हुई थी। उस समय वह इतनी डरी हुई थीं कि अपने माता-पिता को भी कुछ बता नहीं पाईं, क्योंकि उन्हें लगता था कि सच बताने पर उनका बाहर आना-जाना बंद हो जाएगा।

बोमन ईरानी ने साझा कीं अपने जीवन से जुड़ी कई यादें

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता बोमन ईरानी ने अपने खास इनिशिएटिव 'स्पायरल बाउंड' की सफलता का जश्न मनाया। यह केवल एक प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि एक ऐसी कम्युनिटी बन चुका है जहां लोग आत्मविश्वास हासिल कर रहे हैं। कहानियों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ना सीख रहे हैं। इस खास मौके पर बोमन ईरानी ने अपने जीवन से जुड़ी कई भावुक यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि कहानी सुनाने और फिल्मों के प्रति उनका लगाव बचपन से ही शुरू हो गया था और इसकी सबसे बड़ी वजह उनकी मां थीं। बोमन ने कहा कि जब वह सिर्फ 11 साल के थे, तब उन्हें फिल्मों के बारे में वह सब पता था जो शायद उस उम्र में बच्चों को नहीं पता होता। उन्होंने बताया कि उनकी मां एक दुकानदार थीं और पति के निधन के बाद अकेले ही परिवार की जिम्मेदारी संभाल रही थीं।

वाराणसी' की शूटिंग में व्यस्त प्रियंका

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस को लेकर खबर सामने आई है कि वह इस बार मेट गाला 2026 में हिस्सा नहीं लेंगी। फैशन और मनोरंजन जगत के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में गिने जाने वाले मेट गाला का आयोजन न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में होने जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसके चलते वह इस साल कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाएंगी। प्रियंका पिछले कई वर्षों से मेट गाला का हिस्सा रही हैं और अपने फैशन स्टाइल के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहती हैं। प्रियंका चोपड़ा की अनुपस्थिति की खबर सामने आने के बाद उनके प्रशंसकों में निराशा भी देखी जा रही है।

प्रिंस यादव की रफ्तार ने जीता दिल जल्द टीम इंडिया में मिलेगा मौका : अंबाती

नई दिल्ली (ईएमएस)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव अपनी धारदार गेंदबाजी से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने जिस तरह से मैच का रुख पलटा, उसने क्रिकेट विशेषज्ञों को भी प्रभावित कर दिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने तो यहां तक कह दिया कि प्रिंस यादव जल्द ही भारतीय टीम के लिए खेलते नजर आ सकते हैं। रायुडू ने उनके प्रदर्शन को बेहद खास बताते हुए कहा कि इस युवा गेंदबाज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने की पूरी क्षमता दिखाई देती है। अंबाती रायुडू ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रिंस यादव का आत्मविश्वास और गेंदबाजी का तरीका उन्हें बाकी युवा गेंदबाजों से अलग बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रिंस का रन-अप देखकर ही समझ आता है कि वह बल्लेबाज पर दबाव बनाने के इरादे से गेंदबाजी करते हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह लगातार स्टंप लाइन पर गेंद डालते हैं और बल्लेबाजों को गलती करने के लिए मजबूर कर देते हैं। रायुडू ने खास तौर पर विराट कोहली को आउट करने वाली गेंद की जमकर तारीफ की।

केएल राहुल ने आईपीएल में रचा अनोखा इतिहास

आईपीएल में तीन फ्रेंचाइजियों के लिए 1000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली (ईएमएस)।

केएल राहुल ने आईपीएल 2026 में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए मुकाबले में राहुल ने आईपीएल इतिहास में नया रिकॉर्ड कायम किया। वह टूर्नामेंट के पहले ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों के लिए 1000 से ज्यादा रन बनाए हैं। हालांकि इस मुकाबले में राहुल बड़ी पारी नहीं खेल सके और 23 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन उनकी यह छोटी पारी भी रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गई। राहुल अब तक पंजाब किंग्स के लिए 2548 रन, लखनऊ सुपर जाइन्ट के लिए 1410 रन और दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1002 रन बना चुके हैं। यह उपलब्धि अलग-अलग टीमों और भूमिकाओं में उनके लगातार शानदार प्रदर्शन को दर्शाती है।

राहुल का विकेट पारी के पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर गिरा। कार्तिक त्यागी ने धीमी गेंद डालकर उन्हें चकमा दिया। राहुल ने गेंद को कवर के ऊपर से इनसाइड-आउट शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन वह गेंद की पिच तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाए। गेंद बल्ले का किनारा लेकर मिड-ऑन की दिशा में हवा में चली गई, जहां कैमरुन ग्रीन ने शानदार कैच पकड़ लिया। भले ही राहुल जल्दी आउट हो गए, लेकिन उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक और खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह फ्रेंचाइजी के लिए सबसे तेजी से 1000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने यह उपलब्धि केवल 23 पारियों में हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड जेपी डुमनी और रिषभ पंत के नाम था, जिन्होंने 35-35 पारियों में यह आंकड़ा छुआ था। राहुल अब आईपीएल इतिहास में किसी टीम के लिए सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में भी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

टीम इंडिया को मिलेगा नया स्पिन गुरु बहुतुले जल्द संभाल सकते हैं बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की कोचिंग व्यवस्था में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मुंबई के पूर्व लेग स्पिनर सैराज बहुतुले जल्द ही भारतीय टीम के साथ स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में जुड़ सकते हैं। फिलहाल वह आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के स्पिन बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन माना जा रहा है कि मौजूदा सीजन खत्म होने के बाद वह फ्रेंचाइजी से अलग हो जाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक, बहुतुले ने अपने कोचिंग कौशल से भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को काफी प्रभावित किया है। दोनों के बीच इस भूमिका को लेकर सकारात्मक बातचीत हो चुकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि उनका कार्यकाल जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू हो सकता है। 53 वर्षीय सैराज बहुतुले ने 2001 से 2003 के बीच भारत के लिए दो टेस्ट और आठ वनडे मुकाबले खेले थे। हालांकि अंतरराष्ट्रीय करियर लंबा नहीं रहा, लेकिन घरेलू क्रिकेट और कोचिंग में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। खासतौर पर स्पिन गेंदबाजों के साथ उनके काम को काफी सराहा जाता है। यही वजह है कि गौतम गंभीर ने उन्हें टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ में शामिल करने की सिफारिश की है। वर्तमान में भारतीय टीम की कोचिंग यूनिट में बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, फील्डिंग कोच टी. दिलीप और सहायक कोच रयान टेन डेशकाटे शामिल हैं। अब तक टीम में कोई विशेषज्ञ स्पिन बॉलिंग कोच नहीं था, जिसे देखते हुए यह नियुक्ति अहम मानी जा रही है।

बहुतुले इससे पहले भी भारतीय टीम के साथ काम कर चुके हैं। वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से जुड़े रहे हैं।

नेमार अब भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस)।

दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि वह आज भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार अगले महीने होने वाले फीफा वर्ल्ड कप में खेलते नजर आएंगे।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेसी ने 'लो डेल पोलो शो' में बातचीत के दौरान कहा कि हर कोई चाहता है कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हिस्सा लें और नेमार हमेशा उन खिलाड़ियों में शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि ब्राजील और फुटबॉल जगत के लिए नेमार का महत्व बहुत बड़ा है, इसलिए उन्हें विश्व कप में देखना शानदार होगा। मेसी ने स्वीकार किया कि नेमार के साथ उनकी गहरी दोस्ती के कारण वह इस मामले में पूरी तरह निष्पक्ष नहीं रह सकते। उन्होंने कहा कि नेमार उनके करीबी दोस्त हैं और वह चाहते हैं कि उनके साथ अच्छी चीजें हों, क्योंकि वह एक बेहतरीन इंसान हैं और इसके हकदार भी हैं। मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार पूरी तरह फिट होकर विश्व कप में वापसी करेंगे।

अर्जेंटीना के कप्तान ने नेमार के व्यक्तित्व की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नेमार में एक अलग तरह का करिश्मा है और वह दिखावा नहीं करते। मेसी के अनुसार नेमार अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीते हैं और इस बात की ज्यादा चिंता नहीं करते कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। यही बात उन्हें बेहद स्वाभाविक और खास बनाती है।

आठ बार बैलन डीओर जीत चुके मेसी ने यह भी माना कि अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप खिताब का बचाव करना आसान नहीं होगा। उन्होंने स्पेन, फ्रांस और ब्राजील को टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में गिना। मेसी ने कहा कि विश्व कप हमेशा कठिन प्रतियोगिता होती है क्योंकि इसमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेती हैं। उन्होंने माना कि अर्जेंटीना को उम्मीद जरूर रखनी चाहिए, लेकिन यह भी स्वीकार करना होगा कि कई टीमें बेहद मजबूत स्थिति में हैं।

आईपीएल के बीच हनी ट्रैप अलर्ट से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हनी ट्रैप को लेकर सभी 10 फ्रेंचाइजी टीमों को सतर्क कर दिया है। बोर्ड ने जल्दबाजी में आठ पन्नों का एक विस्तृत निर्देश जारी करते हुए खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को कई अहम सावधानियां बरतने के लिए कहा है। बीसीसीआई ने आईपीएल प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघनों पर चिंता जताते हुए साफ कर दिया है कि भविष्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस चेतावनी के बाद क्रिकेट जगत में हड़कंप मच गया है और हनी ट्रैप को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हनी ट्रैप कोई नया तरीका नहीं है। इसका इतिहास सदियों पुराना माना जाता है। प्राचीन भारत में शत्रुओं से गुप्त जानकारी हासिल करने या उन्हें खत्म करने के लिए आकर्षक महिलाओं का इस्तेमाल किया जाता था, जिन्हें विषकन्या कहा जाता था। आधुनिक दौर में हनी ट्रैप शब्द को विशेष पहचान शीत युद्ध के समय मिली। 1950 और 1960 के दशक में सोवियत संघ की केजीबी और अमेरिका की सीआईए ने एक-दूसरे के अधिकारियों को फंसाने के लिए महिला और पुरुष एजेंटों का इस्तेमाल किया।

टीवी पर डेब्यू करेंगे रोहित शर्मा, टीजर रिलीज होते ही फैंस में बढ़ी उत्सुकता

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रह चुके स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा अब टेलीविजन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। शुक्रवार को उनके टीवी डेब्यू का एक शानदार टीजर जारी किया गया, जिसमें 'हिटमैन' नए अंदाज में नजर आए। हालांकि शो का नाम और बाकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। बताया गया है कि इससे जुड़ी पूरी घोषणा जल्द ही सोनी ग्रुप कारपोरेशन के प्लेटफॉर्म पर की जाएगी। इस समय रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2026 में खेल रहे हैं और शानदार फॉर्म में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने अब तक पांच मैचों में 55.25 की औसत और 174 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 221 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से दो अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 84 रन रहा है। साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले रोहित शर्मा आज भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े सितारों में गिने जाते हैं। उन्होंने अब तक 508 अंतराष्ट्रीय मैचों में 42.33 की औसत से 20,109 रन बनाए हैं। उनके नाम 50 शतक और 111 अर्धशतक दर्ज हैं। रोहित ने भारत को दो आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और दो टी20 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई है।

कप्तानी के साथ-साथ टीम से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा सूर्यकुमार यादव पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम में टी20 प्रारूप को लेकर जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। खबरों के अनुसार आईपीएल 2026 के बाद सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम की कप्तानी से हटाया जा सकता है। लगातार खराब बल्लेबाजी प्रदर्शन के चलते चयनकर्ता पूरी तरह संतुष्ट नहीं बताए जा रहे हैं।

ऐसे में अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की चयन समिति नए कप्तान के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रेयस अय्यर की टी20 टीम में वापसी लगभग तय मानी जा रही है और उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी भी सौंपी जा सकती है। बताया जा रहा है कि आयरलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से पहले इस पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। इन चर्चाओं के बीच सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि अगर सूर्यकुमार यादव कप्तानी गंवाते हैं, तो क्या उनकी टीम में जगह भी खतरे में पड़ सकती है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए यह संभावना काफी मजबूत नजर आ रही है।

धोनी की विदाई की अटकलों ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का सीजन अपने अंतिम दौर में पहुंच रहा है, लेकिन इस बार क्रिकेट प्रेमियों की नजर सिर्फ मुकाबलों पर नहीं, बल्कि महेंद्र सिंह धोनी पर टिकी हुई है। चेन्नई सुपर किंग्स का 18 मई को चेपॉक स्टेडियम में होने वाला आखिरी लीग मुकाबला अब एक साधारण मैच नहीं रह गया है। फैंस के बीच लगातार यह चर्चा तेज हो रही है कि क्या यह पीली जर्सी में धोनी का आखिरी मुकाबला होगा।

चेन्नई का चेपॉक स्टेडियम हमेशा से महेंद्र सिंह धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स की पहचान रहा है। यहां की पीली दीवारें, ÷धोनी-धोनी÷ के नारों से गूंजते स्टैंड और आखिरी ओवरों में माही का शांत अंदाज क्रिकेट इतिहास का अहम हिस्सा बन चुका है। अब जब टीम अपने घरेलू मैदान पर सीजन का अंतिम मुकाबला खेलने जा रही है, तो हर किसी के मन में एक ही सवाल उठ रहा है कि क्या धोनी यहीं अपने आईपीएल करियर को अलविदा कहेंगे। दरअसल, साल 2021 में धोनी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह अपना आखिरी मुकाबला चेन्नई में खेलना चाहते हैं। तभी से हर सीजन में उनके संन्यास को लेकर अटकलें लगती रही हैं। हालांकि, धोनी हमेशा की तरह इस मुद्दे पर शांत और रहस्यमयी बने रहे। लेकिन इस बार चर्चाओं को इसलिए भी बल मिला है क्योंकि आईपीएल 2026 में उन्होंने अब तक एक भी मैच नहीं खेला है। माना जा रहा है कि वह खुद को किसी खास मौके के लिए तैयार कर रहे हैं। चेपॉक मैदान धोनी के करियर का सबसे यादगार अध्याय माना जाता है। इसी मैदान पर उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स को कई ऐतिहासिक जीत दिलाई और कई बार टीम को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला। फैंस के लिए धोनी सिर्फ खिलाड़ी नहीं, बल्कि एक भावना बन चुके हैं। यही वजह है कि 18 मई का मुकाबला भावनात्मक रूप से बेहद खास माना जा रहा है। धोनी का करियर हमेशा अप्रत्याशित फैसलों से भरा रहा है। साल 2014 में टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास और 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को शांत अंदाज में अलविदा कहना इसका बड़ा उदाहरण है।

हर 200 मीटर पर एंट्री पॉइंटः अधिकारियों ने 6 किमी पैदल चलकर परखी घाटों की व्यवस्था

उज्जैन। सिंहस्थ कुम्भ 2028 के आयोजन में अभी दो वर्ष का समय बाकी है, लेकिन प्रशासन ने अभी से तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्नान व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को लेकर शनिवार सुबह मेला अधिकारी एवं संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा सहित करीब 30 अधिकारियों की टीम ने क्षिप्रा नदी के घाटों का निरीक्षण किया।

अधिकारियों का दल सुबह 6 बजे शनि मंदिर से पैदल निकला और वाकणकर ब्रिज तक करीब 6 किलोमीटर चलते हुए लगभग 29 किलोमीटर लंबे घाट क्षेत्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान नवनिर्मित घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही, सुरक्षा और एंट्री-एग्जिट व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

भीड़ नियंत्रण को लेकर अधिकारियों ने किया मंथन- निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने इस बात पर विशेष फोकस किया कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु घाटों तक आसानी से कैसे पहुंचेंगे। पार्किंग से घाट तक पहुंचने के मार्ग, स्नान के बाद सुरक्षित निकासी, सड़क कनेक्टिविटी और भीड़ नियंत्रण को लेकर अधिकारियों ने मौके पर ही मंथन किया।

अधिकारी रोज करेंगे घाटों का निरीक्षण

संभागायुक्त एवं मेला अधिकारी आशीष सिंह ने बताया कि अब रोजाना सुबह 6 बजे घाटों का निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घाट तो बनकर तैयार हो रहे हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि श्रद्धालु वहां तक पहुंचेंगे कैसे। इसी को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया गया है कि लगभग हर 200 मीटर पर एंट्री और एग्जिट बनाए जाएंगे।

सड़कों की कनेक्टिविटी, चेंजिंग रूम, लाइटिंग व्यवस्था होगी- उन्होंने बताया कि घाटों तक पहुंचने के लिए सड़कों की कनेक्टिविटी, चेंजिंग रूम, लाइटिंग और अन्य बुनियादी सुविधाओं को भी विकसित किया जाएगा। अधिकारियों को इन व्यवस्थाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने कहा कि सिंहस्थ के दौरान एक ही दिन में करीब पांच करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने की संभावना को देखते हुए व्यवस्थाएं तैयार की जा रही हैं। पार्किंग से लेकर घाट तक पहुंचने और सुरक्षित निकासी तक हर पहलू पर प्रशासन गंभीरता से काम कर रहा है।

»न्यूज ब्रीफ

महा निर्वाणी अखाड़े की भस्म से हुई महाकाल की आरती, उमड़ा भक्तों का सैलाब

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार तड़के आयोजित भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल के दिव्य और अलौकिक स्वरूप के दर्शन हुए। सुबह चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में विराजित सभी देवी-देवताओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। इसके बाद दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से विशेष पूजन संपन्न हुआ। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। बाबा के मस्तक पर त्रिपुण्ड और त्रिशूल सजाया गया। डमरू और शेषनाग के रजत मुकुट से अलंकृत कर रजत की मुण्डमाल, रुद्राक्ष माला और सुगंधित पुष्पों की मालाएं अर्पित की गईं। बाबा के मस्तक पर त्रिपुण्ड और त्रिशूल सजाया गया। डमरू और शेषनाग के रजत मुकुट से अलंकृत कर रजत की मुण्डमाल, रुद्राक्ष माला और सुगंधित पुष्पों की मालाएं अर्पित की गईं। भगवान गणेश, माता पार्वती और कार्तिकेय स्वामी का पूजन करने के बाद भगवान महाकाल को फलों और मिष्ठान का भोग लगाया गया। कपूर आरती के पश्चात महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान को भस्म अर्पित की गई और विधि-विधान से भस्म आरती संपन्न हुई।

63 लाख के 7 नए कचरा कलेक्शन वाहन रवाना

उज्जैन। नगर निगम के संसाधनों में लगभग 63 लाख रुपए की लागत से 7 नए डोर-टू-डोर कलेक्शन वाहन शामिल किए गए हैं। इन वाहनों का शुभारंभ शुक्रवार को ग्रांड होटल से निगम अध्यक्ष कलावती यादव ने वर्कशॉप विभाग की प्रभारी दुर्गा चौधरी और अपर आयुक्त संतोष टैगोर की उपस्थिति में पूजन कर, फीता खोलकर तथा हरी झंडी दिखाकर किया। नगर निगम के अनुसार, ये सातों वाहन निगम मद से खरीदे गए हैं। इन डोर-टू-डोर वाहनों के माध्यम से उन वार्डों में अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे, जहां जरूरत अधिक है। उन क्षेत्रों में भी व्यवस्था की जाएगी, जहां कचरा वाहन नहीं पहुंच पाते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त संजेश गुप्ता, सहायक आयुक्त राघवेंद्र सिंह पालिया, कार्यपालन यंत्री जगदीश मालवीय और कृष्णा भूरिया भी उपस्थित रहे।

पार्श्वनाथ सिटी में 150 लोगों ने करवाया रक्त परीक्षण

उज्जैन। विश्व रेडक्रॉस दिवस पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की जिला शाखा और जिला अस्पताल के सहयोग से पार्श्वनाथ सिटी में नि:शुल्क रक्त परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। पार्श्वनाथ रहवासी समिति के माध्यम से हुए इस शिविर में 150 से अधिक रहवासियों ने रक्त की जांच कराई और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। पार्श्वनाथ सिटी के प्रमुख अभिलाष जैन ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और बीमारियों की समय पर पहचान है। शिविर में पहुंचे रहवासियों ने आयोजन की सराहना करते हुए बताया कि ऐसे परीक्षण शिविरों से बीमारी का संकेत शुरुआती अवस्था में मिल जाता है, जिससे उपचार समय पर शुरू करने में सहायता मिलती है। रेडक्रॉस समिति के सचिव अनुराग जैन के अनुसार यह शिविर विश्व रेडक्रॉस दिवस के तहत संचालित साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा रहा। कार्यक्रम में विजेंद्र वर्मा, ईश्वर पटेल, हर्ष जैन, संजय अग्रवाल, नीरव शाह, राहुल बंसल, विजय पावसे, वात्सल्य सिसोदिया आदि मौजूद रहे।

शनि मंदिर में विस्फोटक, टीमों ने की सर्चिंग

पुलिस ने की मॉकड्रिल, आधुनिक उपकरणों का किया इस्तेमाल

उज्जैन। शनिवार को शनि मंदिर परिसर के पास एक संदिग्ध बैग रखे होने की सूचना मिली। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते के साथ पहुंची पुलिस ने तुरंत सर्चिंग शुरू की। सबसे पहले डॉग स्क्वॉड ने संदिग्ध बैग की प्रारंभिक जांच की, फिर बग निरोधक दस्ते ने विभिन्न उपकरणों से जांच की। यह गतिविधि पुलिस की मॉक ड्रिल का हिस्सा थी, जो सिंहस्थ 2028 में सुरक्षा व्यवस्था दुरस्त करने के मद्देनजर की गई।

सूचना मिलते ही पुलिस ने पूरे क्षेत्र को चारों तरफ से घेर लिया और सुरक्षा प्रक्रिया शुरू की। सबसे पहले डॉग स्क्वॉड द्वारा संदिग्ध बैग की प्रारंभिक जांच की गई। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने आधुनिक उपकरणों की मदद से बैग की जांच की। संदिग्ध वस्तु होने की आशंका पर ब्रश्चस्र टीम के जवान विशेष सुरक्षा सूट पहनकर मौके पर पहुंचे और सर्चिंग अभियान चलाया।

नए उपकरण भी खरीद रही पुलिस

उज्जैन पुलिस का कहना है कि आने वाले सिंहस्थ में भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के सभी इंतजाम अपडेट किए जा रहे हैं। इसके लिए नए उपकरण भी खरीदे जा रहे हैं, जिन्हें भविष्य में सुरक्षा व्यवस्था में लगाया जाएगा। ड्रिल के माध्यम से सुरक्षा एजेंसियों की त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय एवं आपदा प्रबंधन क्षमता का परीक्षण किया गया। उज्जैन पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सतत रूप से सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है।

श्रद्धालु घबरा गए, लोगों की भीड़ जमा हो गई

मॉक ड्रिल के दौरान मंदिर में दर्शन करने पहुंचे कई श्रद्धालु शुरुआत में घबरा गए। वहीं घटनास्थल पर कार्रवाई देखने के लिए लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। हालांकि बाद में पुलिस ने लोगों को बताया कि यह केवल सुरक्षा अभ्यास है, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली और मंदिर में दर्शन करने पहुंचे।

इन उपकरणों एवं तकनीकों का उपयोग किया

- Dog Squad- प्रशिक्षित श्वानों के माध्यम से विस्फोटक एवं संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाने के लिए।
- NLJD (Non-Linear Junction Detector)- इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस एवं छिपे हुए सर्किट का पता लगाने वाला आधुनिक उपकरण।
- E&plosive Detector- विस्फोटक पदार्थों की पहचान एवं जांच के लिए उपयोग किया गया।
- RTVS (Real Time Viewing System) X-Ray Machine- संदिग्ध बैग या वस्तु के अंदर की सामग्री को बिना खोले देखने के लिए।
- Bomb Suit Hand Entry Drill- सुरक्षा सूट पहनकर संदिग्ध वस्तु के सुरक्षित परीक्षण एवं निष्क्रियकरण की प्रक्रिया का अभ्यास।

उन्हेल में युवक की डंडों से पीटकर हत्या

उज्जैन। उन्हेल थाना क्षेत्र के सरवना गांव में एक युवक की डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घर से बदबू आने पर ग्रामीणों को घटना की जानकारी लगी। बताया जा रहा है कि मृतक परिवार से अलग रहता था। हत्या किसने और किन कारणों से की, इसका फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। उन्हेल थाना प्रभारी संतोष चौहान ने बताया कि सरवना गांव के चौकीदार ने सूचना दी थी कि गांव की एक टापरी में खून से लथपथ शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस एफएसएल टीम के साथ मौके पर पहुंची। जांच के दौरान मृतक की पहचान मजदूरी करने वाले 40 वर्षीय रतनलाल के रूप में हुई।

पुलिस के अनुसार मृतक के सिर पर डंडे से वार किए जाने के निशान मिले हैं। हत्या कब और किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

थाना प्रभारी ने बताया कि रतनलाल कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा था और करीब 11 महीने पहले ही जेल से छूटकर बाहर आया था। उसकी पत्नी उसे छोड़कर मायके में रहने लगी थी। मृतक के चार बच्चे भी हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

दोपहर में ही फट रहा सांची का दूध

परेशान लोग पार्लर वालों से झगड़ रहे, दुग्ध संघ से राहत नहीं

उज्जैन। उज्जैन दुग्ध संघ का सांची ब्रांड का दूध इन दिनों दोपहर होते ही फट रहा है। उपभोक्ताओं इसकी शिकायत पार्लर संचालकों से की है। इस कारण उनका पार्लर संचालकों से विवाद भी हो रहा है। पार्लर संचालकों का कहना है कि दुग्ध संघ न तो क्वालिटी सुधार रहा है और न ही फटा दूध बदलने की सुविधा दे रहा है। ऐसे में आर्थिक फटका लग रहा है।

कई सांची पार्लर संचालकों ने बताया कि पिछले करीब 15 दिनों से सांची का दूध दोपहर होते ही खराब हो रहा है। सुबह सप्लाई हुआ दूध अगर गर्म करने से चूके तो दोपहर तक वो खराब हो जाता है। भले ही उसे फ्रीज में रखा गया हो। ऐसे में कई लोग खराब दूध की शिकायत लेकर पार्लर पर आते हैं और दूध बदलकर देने के लिए दबाव बनाते हैं। ग्राहकों को संतुष्ट करने के लिए पार्लर संचालक दूध बदलकर देते हैं, लेकिन दुग्ध संघ इसमें कोई राहत नहीं देता, पूरा नुकसान दूध पार्लर संचालक को ही भुगतना पड़ता है।

जनरेटर हैं बंद, इस कारण नहीं हो पाता ट्रीटमेंट- इस मामले में अक्षरविश्व को जानकारी मिली है कि दुग्ध संघ के मक्सी रोड स्थित प्लांट के जनरेटर इन दिनों काम नहीं कर रहे हैं। यहां पर दूध को ठंडा कर ट्रीटमेंट किया जाता है ताकि वो लंबे समय तक सुरक्षित रह सके। सूत्रों का कहना है कि गर्मी के मौसम में अकसर बिजली गुल होती है और बड़े चिलर बंद हो जाते हैं। ऐसे में दूध का सही ट्रीटमेंट (पाश्चुरीकरण) नहीं हो पाता। इस कारण दूध लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रह पाता है।

पार्लर संचालकों ने निकाला वैकल्पिक रास्ता

दूध खराब होने की घटना से परेशान कुछ पार्लर संचालकों ने विकल्प के रूप में अन्य कंपनी का दूध रखना शुरू कर दिया है। क्योंकि सांची के खराब हुए दूध के बदले अगर वो सांची का ही दूध देते हैं तो वो भी खराब निकलता है। ऐसे में ग्राहक रुपए वापस मांगता है। इस कारण पार्लर संचालकों ने विकल्प के रूप में अन्य कंपनी का दूध रखना शुरू कर दिया है। ऐसे हालात में उज्जैन दुग्ध संघ का बाजार खराब हो रहा है और संघ को सीधा नुकसान भी हो रहा है।

'आयुष्मान भारत निरामयम योजना'

आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं में संपर्क करें

उज्जैन। शासन द्वारा 70 वर्ष या इससे अधिक उम्र के नागरिकों को भी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) योजना में शामिल किया है उनको भी आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जा सके। जिले में निरन्तर वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे है। 70 वर्ष या इससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को निजी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं या कर्मचारी राज्य बीमा योजना अर्न्तगत आते है वे भी आयुष्मान भारत योजना के तहत् लाभ प्राप्त करने के पात्र होंगे।

योजना में पात्रता का निर्धारण आधार कार्ड में दर्ज आयु के आधार पर किया जायेगा तथा पात्र वरिष्ठ नागरिकों को एक नया विशिष्ट कार्ड जारी किया जाएगा तथा पंजीकरण के लिये आधार कार्ड एवं समग्र आई.डी. फैमेली आई.डी. की आवश्यकता होगी। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को एक नया विशिष्ट कार्ड जारी किया जायेगा। आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं मे संपर्क करें। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया कि जिले की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रतिदिन आयुष्मान कार्ड नि:शुल्क बनाये जाते है। समस्त पात्र नागरिक व 70 या इससे अधिक आयु वर्ग के नागरिकों से अपील है कि अपने आधार कार्ड एवं समग्र आई.डी. के लेकर आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं मे संपर्क कर अपना आयुष्मान कार्ड बनवाए। आयुष्मान भारत "निरामयम" योजना के अन्तर्गत पात्र परिवारों को रूपयें 5 लाख प्रति परिवार प्रतिवर्ष स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदाय किया जाता है। पात्र परिवार का चिन्हांकन, सामाजिक, आर्थिक एवं जातीय जनगणना वर्ष 2011 आधारित है। इस योजना का लाभ लेते हुए सभी बीमारियों का नि:शुल्क उपचार करवाया जाता है।

एक साल में पात्र परिवारों के सदस्यों को शासकीय अस्पतालों, शासकीय मेडिकल कॉलेजों और चिन्हित निजी अस्पतालों में रु. 5.00 लाख तक की कैशलेस उपचार की सुविधा मिलती है। योजना में अलग-अलग बीमारियों के इलाज के पैकेज तय कर दिये गये हैं। यह स्वास्थ्य सुरक्षा कवच कैशलेस है, मतलब इसमें मरीज के उपचार का पैसा पात्र परिवार को न दिया जाकर इलाज करने वाले अस्पताल को सीधे भुगतान कर दिया जाता है। शासन द्वारा अब 70 वर्ष या इससे अधिक उम्र के नागरिकों को भी योजना में शामिल कर योजना का लाभ देने का निर्णय लिया है। आयुष्मान भारत योजना का लाभ लेने की प्रकिया पात्र परिवार के सदस्यों को किसी भी रोग बीमारी की स्थिति में शासकीय अस्पताल में अथवा चिन्हित निजी अस्पताल जाकर दिखाना होगा।

आर्यों पर होगा डॉ केवलिया का व्याख्यान

उजजैन। मालवा प्रांत युवा आयाम एवं कालिदास संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में आज "सरस्वती नदी – हिंदू सभ्यता का मूल" विषय पर सुर्यनारायण व्यास संकुल, कालिदास संस्कृत अकादमी में व्याख्यान आयोजित होगा । व्याख्यान वामपंथी इतिहासकारों द्वारा रचित आर्य आगमन के कुचक्र को धराशायी करने व सरस्वती सिंधु सभ्यता व वैदिक संस्कृति मे समानता के सिद्धांत को पुरातात्विक व वैज्ञानिक आधार पर सिद्ध करने पर आधारित होगा । मुख्य वक्ता के रूप में विषय विशेषज्ञ, दिल्ली विश्वविद्यालय में इतिहास के सहायक प्राध्यापक, पुरातत्वविद डॉ शुभम केवलिया रहेंगे।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों का जिला अस्पताल में सम्मान किया

उज्जैन। जिला चिकित्सालय में थैलेसीमिया सोसायटी के सहयोग से "विश्व थैलेसीमिया दिवस" मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों द्वारा केक काटा गया। जिससे इस विशेष दिवस पर बच्चों में उत्साह का संचार हुआ। इस अवसर पर सिविल सर्जन द्वारा उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता, समय पर जांच एवं नियमित उपचार हायक अस्पताल प्रबंधक श्रीमती वर्षा चौहान, नोडल अधिकारी थैलेसीमिया डॉ. एम. डी. शर्मा, समस्त चिकित्सकगण एवं स्टाफ आदि उपस्थित रहें।

अगर निगम का टैक्स बकाया है तो जाइए जोन कार्यालय, सरचार्ज में मिलेगी छूट

उज्जैन। अगर आपका संपत्तिकर और जल कर बकाया है तो आप इस पर लगने वाले सरचार्ज पर आज छूट हासिल कर सकते हैं। बस इसके लिए आपको नगरनिगम के जोन कार्यालय पर पहुंचना होगा। नगरनिगम प्रशासन ने नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया है। यह छह जोन पर लगी हैं। दरअसल निगम का करोड़ों रुपए का संपत्तिकर और जलकर बकाया है। इसकी वसूली के लिए शिविर भी लगाए जाते हैं, फिर भी बकाया नहीं आता। लोक अदालत में छूट की व्यवस्था रहती है, इसलिए लोग बड़ी संख्या में कर जमा करा देते हैं। इसी कड़ी में शनिवार को लोक अदालत लगाई गई है। इसके तहत यह छूट दी जा रही है। जलकर-संपत्तिकर की राशि 50 हजार से अधिक होने पर 50 फीसदी सरचार्ज माफ।यह छूट एक वित्तीय वर्ष में एक बार ही दी जाएगी।

बिलकेश्वर मंदिर स्थित घाट की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश में बड़ी संख्या में खेत तालाब, अमृत सरोवर, रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और सूखे कुँओं को नया जीवन देने का कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उज्जैन जिला जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियांवयन में प्रदेश के टॉप जिलों में शामिल है। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत जिले की जनपद पंचायत महिदपुर के ग्राम पंचायत मालीखेड़ी के ग्राम मेलानिया में बिलकेश्वर मंदिर स्थित घाट की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य शुक्रवार सुबह जनपद पंचायत सीईओ, सरपंच ग्राम पंचायत मालीखेडी और ग्रामीणों की जनभागीदारी से किया गया।

40 डिग्री तापमान में धुआं और तपन के बीच कर रहे जाप

तपती धूप में पंच धूनी रमाकर तप कर रहे संत, निनोरा में अदभुत नजारा

उज्जैन। सिंहस्थ कुंभ में अभी भले ही दो साल का समय बाकी हो, लेकिन धर्मनगरी उज्जैन में अभी से कुंभ जैसा माहौल दिखाई देने लगा है। देश के प्रसिद्ध संत टाटम्बरी सरकार (श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर रामदास जी त्यागी) अपने करीब 20 संतों के साथ उज्जैन पहुंचे हैं। संत तपती गर्मी के बीच सिर पर पात्र रखकर बैठे हैं, जिनमें कंडे धधक रहे हैं। वे चारों ओर धूनी रमाकर कठोर तपस्या कर रहे हैं। संतों के दर्शन और आशीर्वाद लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनके ठहराव स्थल पहुंच रहे हैं।

निनोरा निवासी सोनू शर्मा के खेत में नर्मदा पुराण कथा चल रही है, संत इसी आयोजन में शामिल होने पहुंचे हैं। संत 40 डिग्री के तापमान में पंच धूनी के बीच बैठकर जाप कर रहे हैं। जहां आम लोगों के लिए दोपहर में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है, वहीं संत खुले आसमान के नीचे साधना में लीन हैं।

चार माह चलेगी विशेष अनुष्ठान- ध्रुव दास त्यागी ने बताया कि सभी संत रोजाना तड़के तीन बजे उठ जाते हैं। पूजा-पाठ और दैनिक कार्यों के बाद संत धूनी रमाकर तपस्या शुरू करते हैं। उन्होंने बताया कि संसार के कल्याण के लिए यह विशेष अनुष्ठान चार माह तक चलेगा, जिसका समापन गंगा दशहरा पर किया जाएगा। आयोजक सोनू शर्मा के मुताबिक संत टाटम्बरी सरकार वर्ष 1992 से निनोरा में धार्मिक आयोजन करते आ रहे हैं। इस बार वे नर्मदा पुराण कथा में शामिल होने पहुंचे हैं। 3 मई से शुरू हुई कथा का समापन एवं शाम को भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

सबसे कम उम्र के महामंडलेश्वर भी पहुंचे

प्रयागराज कुंभ में महज 18 वर्ष की उम्र में सियाराम दास महाराज को महामंडलेश्वर की उपाधि मिली थी। उन्हें देश के सबसे कम उम्र के महामंडलेश्वर के रूप में देखा जाता है। पदवी मिलने के बाद उनका नाम महामंडलेश्वर सियाराम दास हो गया। बताया जाता है कि 13 साल की उम्र में ही उन्होंने घर-परिवार छोड़कर संन्यास जीवन अपना लिया था।

टाटम्बरी बाबा ने बनाया उत्तराधिकारी

महामंडलेश्वर सियाराम दास मूल रूप से मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं। किशोरावस्था में ही वे दिगंबर अनी अखाड़े के श्रीमहंत सियाराम दास महाराज टाटम्बरी बाबा के शिष्य बन गए थे। कम उम्र में ही सनातन परंपरा और गुरु-शिष्य परंपरा का ज्ञान प्राप्त करने वाले सियाराम दास को टाटम्बरी बाबा ने अपना उत्तराधिकारी भी घोषित कर दिया है। महज 19 वर्ष की उम्र में लंबी जटाओं और साधु वेश में वे श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित. प्रधान संपादक: सुनील वर्मा
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com,